तापमान
अधिकतम 34 .2 डिग्री
न्यूनतम 14 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 26 अक्टूबर, 2025

12 पूर्व मंत्री ने हमेशा जनता के हितों को सर्वोपरि रखा

12 पुरातन वैदिक संस्कृति का सम्मान करने का आह्वान

खबर संक्षेप

'लक्कड़बग्गे' ने खोला सिस्टम का काला सच

चंडीगढ़। 'लक्कड़बग्गे', एक ऐसी सीरीज़ है जिसने पेपर लीक स्कैम्स और भ्रष्टाचार की सच्चाई को बेखौफ़ तरीके से उजागर किया है। युवा निर्देशकों परम रियार और हृषभ शर्मा के निर्देशन में बनी यह सीरीज़ उन सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जिनमें एक लीक हुआ पेपर हज़ारों छात्रों के भविष्य को तबाह कर देता है। कहानी दिखाती है कि कैसे रिश्वत, लालच और सत्ता की साज़िशें शिक्षा व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती हैं। सीरीज़ में गुरप्रीत रटौल, रीत कौर, अवर बरार, जोध अंट्टल, अजीत सिंह और अन्य कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय से पात्रों को जीवंत बनाया है।

साले ने जीजा पर किया लाठियों से हमला

रादौर। गांव मंसूरपुर में साले ने अपने साथियों के साथ मिलकर जीजा पर लाठियों से हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे पीजीआई रैफर कर दिया। बताया जा रहा है कि घायल व्यक्ति ने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था। जिससे नाराज उसकी पत्नी ने अपने भाई को इस बारे बताया। भाई ने तैश में आकर अपने साथियों के साथ मिलकर अपने जीजा पर हमला कर घायल कर दिया। हमले में उसकी आंख पर गंभीर चोट आई। वह घायल होकर नीचे गिर गया। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए।

रूटावेटर की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

यमुनानगर। गांव महमूदपुर में खेत में जुताई करने के दौरान ट्रैक्टर पर लगे रुटावेटर की चपेट में आने से एक बुजर्ग की मौत हो गई और उसका बेटा बाल बाल बच गया। गांव महमूदपुर निवासी रामपाल (77) व उसका पुत्र सुबह के वक्त ट्रैक्टर पर रूटावेटर लगाकर खेतों में जुताई कर रहे थे। इस दौरान रुटावेटर में कबाड़ फंस गया। इस दौरान ट्रैक्टर रोककर रामपाल व उसका बेटा रुटावेटर में फंसे कबाड़ को निकालने लगे। इसी बीच अचानक ट्रैक्टर चल पड़ा और रामपाल और उसका बेटा रुटावेटर की चपेट में आ गए। इस दौरान रामपाल की मौत हो गई और उसका बेटा किसी तरह बाल बाल बच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जें लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जगाधरी में भिजवाया गया।

पटेल के साथ मनाई जाएगी गुरु तेग बहादुर जयंती : सीएम सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के संबंध में उपायुक्तों और अन्य अधिकारियों की बैठक ली

सीएम ने दिए अधिकारियों को जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को वीसी के माध्यम से उपायुक्तों अन्य अधिकारियों को लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती, श्री गुरू तेग बहादूर के 350वें शहीदी दिवस

- धान खरीद कार्यों की समीक्षा की

व वंदे मातरम गीत लांच करने को ले कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके साथ-साथ उन्होंने धान खरीद कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यक्रमों को बेहतर समन्वय बनाकर आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 31 अक्तूबर को लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम को राज्य स्तर पर फतेहबाद में मनाने का काम किया जाएगा। इसी प्रकार सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। हरियाणा दिवस पर 1 नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा श्री गुरू तेग बहादुर के 350वें प्रकाश उत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन करने के साथ-साथ अन्य गतिविधियां एवं कार्यक्रम किए जाएंगे। उपायुक्त ने अधिकारियों निर्देश दिए कि उक्त कार्यक्रमों को लेकर जिन-जिन विभागों को जो जिम्मेवारी सौंपी जाएगी वे उन सभी कार्यों को समय रहते करते हुए कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन करवाएं। इस दौरान एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम विनेश कुमार, सीईओ जिला परिषद गगनदीप, डीडीपीओ दिनेश शर्मा, डीएफएसी अपार तिवारी, डीएम हैफेड देवेंद्र सिंह, जीएम रोडवेज अश्वनी डोगरा, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, खेल विभाग से राम स्वरूप, एडीआईओ शुभम जोधा भी मौजूद रहे।

अंबाला। मीटिंग में मौजूद डीसी व अन्य प्रशासनिक अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

7 नवंबर को वंदे मातरम गीत लांच होगा

उन्होंने यह भी बताया कि 7 नवंबर को वंदे मातरम गीत लॉच कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने धान खरीद कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश देते हुए कहा कि राइस मिलर्स के स्टॉक को फिजिकल वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए। साथ ही गेट पास के साथ-साथ अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि वीसी में जो दिशा-निर्देश मिले हैं उनकी अनुपालना के तहत सभी कार्यों का किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि धान खरीद कार्य के तहत फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए टीम गठित कर ली गई हैं।

इलाज के दौरान मरीज की मौत

परिजनों ने अस्पताल के बाहर जमकर किया हंगामा

अंबाला। परिजनों से बातचीत करते एसएचओ धर्मवीर।

- चिकित्सकों पर लापरवाही के लगाए आरोप

अंबाला। अंबाला-चंडीगढ़ स्थित एमएम अस्पताल सद्दौपुर में एक मरीज की मौत पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक की लापरवाही से मरीज की मौत हुई है। इस दौरान परिजनों ने तोड़फोड़ का प्रयास किया लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें शांत कर दिया। एसएचओ धर्मवीर ने मेडिकल बोर्ड की जांच के आधार पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। दरअसल कोट कछुआ गांव के रहने वाले नरेश कुमार को परिजन हादसे में जख्मी होने की वजह से सद्दौपुर स्थित एमएम अस्पताल में लेकर आए थे। परिजनों के मुताबिक नरेश की एक टांग में फ्रेक्चर था। टांगा ही उसका उपचार चल रहा । परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे नरेश को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इसकी वजह से उसकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में उपचार के दौरान नरेश की मौत हो गई। मरीज की मौत की खबर से परिजन स्तब्ध रह गए। सूचना के बाद गांव व रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए। सभी परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। अस्पताल के बाहर ही परिजनों ने डेरा जमा लिया। इसके बाद एसएचओ पुलिस बल के साथ पहुंचे। मुश्किल से परिजनों को शांत किया गया। एसएचओ बलदेव नगर धर्मवीर ने बताया कि नरेश की मौत की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड बनाया गया है।

रत्नावली : हरियाणवी बोली की बानगी देखने को मिलेगी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय रत्नावली के माध्यम से हरियाणवी बोली को भाषा बनाने की मुहिम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा, इस आशय की उद्घोषणा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने की। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी बोली को भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए रत्नावली के मंच से उसको और अधिक लोकप्रिय बनाने का कार्य करेगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि हरियाणवी बोल्ली का इतिहास हजारों साल से पुराना है। वैदिक संस्कृत, व्याकरणिक संस्कृत, प्राकृत, पालि, अपभ्रंश, उर्दू, फारसी, टर्किश, उज्बेक, अफगानी, मुलतानी, झंग, हिन्दी आदि भाषाओं में हरियाणवी के हजारों शब्द समाहित है। हरियाणा बोल्ली में एक हजार से अधिक पुस्तकें लिखी गई हैं। रत्नावली समारोह में हरियाणवी बोल्ली को पॉडकास्टिंग के माध्यम से जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान और अधिक लोकप्रिय बनाएगा।

जमीन विवाद में पिता से मारपीट, तीन पर केस

जींद। दबलैन में जमीन को लेकर कहासुनी के चलते बुजुर्ग पिता के साथ मारपीट करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने बेटे समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव दबलैन निवासी चांदी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटे संदीप के साथ जमीन को लेकर कहासुनी हो गई।

भाकियू ने सीएम सैनी के नाम सौंपा ज्ञापन

- धान खरीद प्रक्रिया की वजन प्रणाली की अनदेखी की सीबीआई जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप की प्रदेश स्तरीय बैठक जाट धर्मशाला में यूनियन के राष्टीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से किसान मौजूद रहे। बैठक के बाद किसानों ने जाट धर्मशाला से लेकर देवीलाल चौक तक रोष मार्च निकाला और डीएफएससी राजेश आर्य के खिलाफ कार्रवाई व अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि सभी राइस मिलो कि तुरंत फिजिकल वैरीवेशन हो: सभी राइस मिलों में रखे धान के स्टॉक की तुरंत जांच करवाई जाए। यदि धान कम या ज्यादा पाया जाए तो संबंधित अधिकारी और मिलर दोनों के खिलाफ हेराफेरी का मुकदमा दर्ज किया जाए। जांच टीम में दो प्रतिनिधि किसान यूनियन से शामिल किए जाएँ और जांच अधिकारी ईमानदार व निष्पक्ष हों, जिनकी नियुक्ति किसान यूनियन की सहमति से हो।

गेट पास में धांधली रोकें

धान खरीद प्रक्रिया की वजन प्रणाली की अनदेखी और गेट पास में धांधली सी.बी.आई. जांच होनी चाहिए। धान खरीद नीति के बिंदुओ नंबर 14 के अनुसार मंडी से बाहर जाने वाले धान की गाड़ियों की तुलाई मंडी के काटो पर की जानी अनिवार्य थी जोकि नहीं की गई क्योकि मिलीभगत के कारण जाली काटे गए जे फार्मों की पूर्ति करने हेतु एसा जानबूझकर इसलिए किया गया ताकि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी आउटगोइंग गेट पास काटते समय, बिना किसी गाड़ी की वास्तविक तुलाई किए, पोर्टल पर मनमाने आंकड़े भर रहे हैं। दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

डी-फॉर्मेसी में बिना फीस मिलेगा दाखिला

कुरुक्षेत्र। मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। हरियाणा कुरुक्षेत्र जिले के मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र लाडवा के गांव मथाना स्थित डॉ बीआर आंबेडकर फामेर्सी कॉलेज ने डॉ आंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ी घोषणा की है।

कॉलेज ने अपनी प्रथम वर्ष की

- गांव मथाना के डॉ. बीआर आंबेडकर फामेर्सी कॉलेज में ले सकेंगे दाखिला

75% सीटों पर बिना फीस के एडमिशन देने का निर्णय लिया है। कॉ ले ज संस्थान के चेयरमैन और भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के पूर्व सदस्य सूरजभान कटारिया बताया कि छात्रों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जिससे वे फामेर्सी के क्षेत्र में अपना बेहतर करियर बना सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 10 नवंबर है और इच्छुक छात्रों को एडमिशन के लिए पहले आओ-पहले पाओ के आधार रजिस्टर्ड करना होगा।

झूठे प्यार में फंसी किशोरी ने गंवाई जान, प्रेमी ने कबूला गुनाह

- परिजनों का आरोप किशोरी की हत्या के लिए आरोपी के साथ पुलिस भी जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

आरोपी सचिन व किशोरी माही की फाइल फोटो।

गांव धीन में 15 साल की माही की मौत से सन्नाटा पसरा है। क्षेत्र में माही की मौत की खबर चर्चा बनी हुई है । किशोरी माही का कसूर बस इतना था कि वह धोखे से एक युवक के प्रेम के चुंगल में फंस गई। करीब अढाई साल पहले माही को प्रेमी प्यार के झूठे सपने दिखाकर अपने साथ ले गया था।

परिजनों का आरोप है कि बाद में प्रेमी ने ही उसका कत्ल कर दिया। अब पुलिस ने मुख्य आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है। हालांकि आरोपी माही की हत्या की बजाय स्वयं मौत फंदे से लटके जाने की बात कबूल रहा है। पुलिस भी माही की मौत के पीछे हत्या का एंगल जोड़ रही है। शनिवार को किशोरी के परिजन थाना में जुटे। आरोपी सचिन पर कार्रवाई की मांग करते रहे। परिजनों ने ऐलान किया कि अगर इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई न हुई तो वे थाना पर ताला जड़ देंगे। थाना प्रभारी प्रमोद राणा ने बताया कि आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। माही की मां उषा साहा में काम पर जाती थीं। इसी बीच गांव सोहाना के सचिन ने माही को अपने झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया। शुरू में बातें, फिर मुलाकातें और एक दिन वह चुपचाप माही को अपने साथ ले गया। मां ने तुरंत मुलाना थाने में शिकायत दी। तब पुलिस ने माही को बरामद भी किया। लेकिन फिर जो हुआ, उसने कहानी की दिशा बदल दी। परिजनों के अनुसार उस समय पुलिस ने लिव-इन रिलेशन का हवाला देकर किशोरी को सचिन के ही हवाले कर दिया था। तब से माही से परिजनों का संपर्क टूट गया। अब जब पुलिस ने सचिन को दबोचा तो उसका चेहरा सब बयान कर गया।पहले तो टालता रहा, मगर फिर कहा "हां, माही अब नहीं रही माही की मौत 16 अप्रैल 2024 को हो चुकी थी। यानी, डेढ़ साल से उसकी मां सिर्फ हवा में बेटी की तलाश कर रही थी जबकि वो दुनिया से जा चुकी थी। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया "आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने माही की मौत की बात स्वीकार की है।

मुलाना। परिजनों से बातचीत करते थाना प्रभारी।

कई लड़कियां फंसी जाल में

सचिन का अतीत खुलने लगा तो एक के बाद एक नए राज सामने आने लगे।साढ़ौरा और आसपास के इलाकों की कई महिलाओं ने बताया सचिन सिर्फ एक माही का कातिल नहीं बल्कि कई जिंदगियों को बर्बाद कर चुका है। किसी को प्यार का झांसा देता, किसी को नशे में वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता।एक विवाहित महिला ने बताया कि सचिन ने उसे धमकाया क हा माही को मार दिया है, अब तेरा नंबर है।किसी तरह वह महिला उसके चंगुल से छूट कर अपने परिवार में पहुंची। जहां उस ने पूरी कहानी अपने परिवार को बताई।

अनुशासिक मेहनत के बल पर विश्व में छाते हैं खिलाड़ी : कादियान

हरियाणा आर्म्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

- पानीपत के गांव बिहौली के प्रदेश भर से आए आर्म्स बॉक्सर दिखा रहे है अपना दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। द्वितीय हरियाणा राज्य आर्म्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मुख्य अतिथि आर्म्स बॉक्सरों का हाथ मिलवा कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए।

पानीपत के गांव बिहौली के आरएसएम हाई स्कूल में शनिवार को द्वितीय हरियाणा राज्य आर्म्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश भर के बॉक्सर भाग ले रहे है। वहीं, चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि सतबीर सिंह कादियान, चीफ इंजीनियर एंड चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, स्टेट वॉटर अथॉरिटी गवर्नमेंट ऑफ़ हरियाणा ने दीप जला कर किया। कादियान का स्कूल में पहुंचने पर हरियाणवीं लोक संस्कृति से जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाडियों ने भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। वहीं आर्म्स बॉक्सिंग में भी हरियाणा के खिलाडी पूरी दुनिया में नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा युवाओं का देश है और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है युवाओं की प्रतिभा को पहचाने व उसे निखारते हुए सही राह पर ले जा कर आगे बढाने की। उन्होंने कहा कि आर्म्स बॉक्सिंग की इस चैंपिनयशिप से प्रतिभाशाली बॉक्सर निकलेंगे और वे राष्ट्रीय और फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेंगे। वहीं कादियान ने चाइल्ड, सब जूनियर, जूनियर व सीनियर महिला व पुरूष खिलाडियों से परिचय लिया और उन्हें जीत की शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कादियान ने ग्रामीण अंचल में स्थित आरएसएम हाई स्कूल के निदेशक श्रीनिवास शर्मा व प्रधानाचार्य अंकित को आर्म्स बॉक्सिंग की प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए बधाई दी। इधर, आमत्यूर आर्म्स बॉक्सिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के डायरेक्टर जनरल सेक्रेटरी नसीमुद्दीन ने कहा कि स्पोर्ट्स आर्म्स बॉक्सिंग एसोसिएशन हरियाणा एवं पानीपत व आर्म्स बॉक्सिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में यह आर्म्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि द्वितीय हरियाणा राज्य आर्म्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप विजेता बॉक्सरों का चयन नोएडा में आयोजित होने वाली आर्म्स बॉक्सिंग की नेशनल चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। नेशनल चैंपियनशिप 22 व 23 नवंबर को नोएडा में आयोजित होगा। नेशनल चैंपियनशिप के विजेता बॉक्सरों को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में अगले वर्ष मार्च या अप्रैल में आयोजित होने वाली आर्म्स बॉक्सिंग की एशिया चैंपियनशिप में भेजा जाएगा। आर्म्स बॉक्सिंग को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ से मान्यता मिली हुई है और प्रयास है कि हरियाणा ओलंपिक संघ से अगले वर्ष तक आर्म्स बॉक्सिंग को मान्यता मिलने की संभावना है और ऐसा होने पर आर्म्स बॉक्सरो का भविष्य और बेहतर हो जाएगा। वहीं, गांव बिहौली के सरपंच संदीप ने अतिथियों को स्मृति चिंह भेंट किए। आरएसएम हाई स्कूल के निदेशक श्रीनिवास शर्मा व प्रधानाचार्य अंकित ने अभार व्यक्त किया।

हरियाणा ओलंपिक संघ से मान्यता की आस

कादियान ने अपने संबोधन में खिलाडियों का हौंसला बढाते हुए कहा कि आर्म्स बॉक्सिंग को हरियाणा ओलंपिक संघ से मान्यता दिलवाने के प्रयास जारी है। वहीं कई राज्यों ने आर्म्स बॉक्सिंग को मान्यता दे दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हरियाणा ओलंपिक संघ भी अगले साल आर्म्स बॉक्सिंग को मान्यता दे देगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत, दो घायल

- कार ने स्कूटी को मारी टक्कर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ किया मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

रादौर-खेड़ी लक्खा सिंह मार्ग पर गांव रादौरी के नजदीक कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार एक महिला की मौत हो गई और एक महिला और चार वर्षीय बालक गंभीर रुप से घायल हो गए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। गांव चमरोडी निवासी रीना कांबोज (45) सुबह ग्यारह बजे के करीब एक अन्य महिला शोभा और चार वर्षीय बालक वैदिक के साथ स्कूटी पर सवार होकर रादौर किसी काम के लिए जा रहे थे। इस दौरान गांव रादौरी के नजदीक कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रीना, शोभा व चार वर्षिय बालक वैदिक नीचे गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने रीना कांबोज को मृत घोषित कर दिया। जबकि शोभा व वैदिक को प्राथमिक उपचार के बाद यमुनानगर रैफर कर दिया गया। बताया गया है कि मृतक महिला के पति चंद्रकिरण की करीब सात आठ साल पहले मौत हो चुकी है। वहीं, उसके बेटे की भी कुछ वर्ष पहले मौत हो चुकी है।

यमुनानगर। रादौर के नजदीक सड़क हादसे में मौत का शिकार हुई मृतका रीना कांबोज का फाइल फोटो।

खबर संक्षेप

31 को जिला स्तरीय रन फॉर यूनिटी : विश्राम

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 31 अक्टूबर को जयंती समारोह को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस समारोह पर हर वर्ष की भांति इस बार भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन होगा। इस बार कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य स्टेडियम में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश स्तरीय रन फॉर यूनिटी का आयोजन फतेहाबाद में होगा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

विजेताओं को कुलपति 27 को करेंगे सम्मानित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन देने और उनके कार्यों को विbf से बाहर व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि एनिमेशन प्रतियोगिताओं में विजेता रहने वाले विद्यार्थियों को कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा समापन समारोह में 27 अक्टूबर को बतौर मुख्यातिथि पुरस्कृत करेंगे।

एलसीएलओ कर्मचारियों का धरना 37वें दिन जारी

कुरुक्षेत्र। एलसीएलओ कर्मचारियों का धरना 37वें दिन भी जारी रहा। वहीं क्रमिक अनशन 27वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता नीतू राज्य प्रधान ने की। धरने पर बैठे साथियों को ओमप्रकाश जिला प्रधान सर्व कर्मचारी संघ कुरुक्षेत्र व संदीप सांगवान राज्य डिप्टी जरनल सैक्रेटरी सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने माला पहनाकर क्रमिक अनशन पर बैठाया और संयुक्त बयान में बताया कि सरकार हर तरफ से तानाशाही पर उतारू हैं।

बाबा रोडे शाह का तीसरा जागरण-कव्वाली संपन्न

पिहोवा। बाबा प्रीतम सिंह जी महाराज के पावन सानिध्य में बाबा रोडे शाह का तीसरा विशाल जागरण व कव्वाली कार्यक्रम बड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ गांधीनगर, पिहोवा में आयोजित किया गया। पूरे क्षेत्र का वातावरण 'जय बाबा रोडे शाह की' जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु बाबा के दरबार में भावविभोर होकर झूम उठे। रात भर चली कव्वाली और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने भक्तों के हृदय को छू लिया। जागरण के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

कुरुक्षेत्र। सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रेड क्रॉस भवन कुरुक्षेत्र में संचालित निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई सीखती महिलाएं।

सिलाई-कंप्यूटर प्रशिक्षण कोर्स को दाखिले शुरू

कुरुक्षेत्र। सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट रजिस्टर्ड की जिला कुरुक्षेत्र इकाई एवं जिला रेड क्रॉस समिति, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में रेड क्रॉस भवन, जरूरतमंद महिलाओं के लिए संचालित निशुल्क सिलाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन आरंभ हो चुका है और कुछ सीट बची हैं। ट्रस्ट जिला प्रधान गुलशन कुमार ग्रोवर ने बताया कि मैनेजिंग ट्रस्ट्री डॉ एसपी सिंह ओबेरॉय के उद्यम एवं कुशल नेतृत्व, राष्ट्रीय प्रधान स. जस्सा सिंह के मार्गदर्शन एवं शिक्षा निदेशक डॉ इंद्रजीत कौर गिल के सुयोग्य निर्देशन में संचालित यह दोनों कोर्स छह-छह महीने के हैं।

एचकेआरएन से जोड़े जाने की मांग को लेकर अनुबंध कर्मचारियों का धरना जारी

1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम से जोड़ने की मुख्य मांग

- सरकार पर लगाया झूठे आश्वासन देने का आरोप
- ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने के लिए कई संगठन एकजुट

कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए किसान नेता राजन व जय सिंह समेत कई सामाजिक संगठन पहुंचे। नेताओं ने कहा कि सरकार को ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर सभी कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देना चाहिए। मांगें पूरी नहीं हुई तो तेज होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन के सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर जिला सचिवालय के सामने धरना जारी रखा। कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि रोहतक पीजीआईएमएस में कार्यरत 1271 कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) से जोड़ा जाए।धरना तीन अक्तूबर से दिन-रात जारी है। कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए किसान नेता राजन व जय सिंह समेत कई सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया। नेताओं ने कहा कि सरकार को ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर सभी कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देना चाहिए। एसोसिएशन के महासचिव महेश ने कहा कि सरकार और प्रशासन ने केवल झूठे आश्वासन दिए हैं। कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मिलने तक नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सितंबर 2021 में बनी एचकेआरएन नीति के तहत सभी अनुबंध कर्मचारियों को पोर्टल पर पंजीकृत किया जाना चाहिए और जॉब सिक्योरिटी पत्र जारी किया जाए। धरने में राजेश कोला, ओम सिंह, कपूर सिंह, संदीप सिंगरोहा, गुरजंट, विक्की काजल, राकेश प्रधान, रीना, नवीन सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

करनाल। अनुबंध कर्मचारियों के धरने में मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

करनाल। फुहारा पार्क में सीटू के सम्मेलन में बोलतीं डॉ. के. हेमलता।

सरकार की नीतियों पर सवाल

हेमलता ने कहा कि मोदी सरकार अमेरिकी नीतियों के दबाव में काम कर रही है जिससे उद्योग, कृषि और सेवाओं पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता कमजोर की है और लोकतंत्र के मानदंडों की अनदेखी की जा रही है। प्रांतीय महासचिव जय भगवान और उपप्रधान सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार चार लेबर कोडों के माध्यम से मजदूरों को गुलामी की ओर धकेल रही है। आगे कहा कि न्यूनतम वेतन घोषित नहीं करना और मजदूर विरोधी लेबर कोड लागू करना इसका प्रमाण है। सभा की अध्यक्षता सीटू प्रदेश अध्यक्ष सुरेखा ने की।

भाजपा सरकार मजदूर विरोधी: डॉ. के. हेमलता

करनाल। फुहारा पार्क में आयोजित सीटू हरियाणा के 15वें राज्य सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. के. हेमलता ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मजदूरों का डबल शोषण किया है। न्यूनतम वेतन घोषित नहीं करना और मजदूर विरोधी लेबर कोड लागू करना इसका प्रमाण है। सभा की अध्यक्षता सीटू प्रदेश अध्यक्ष सुरेखा ने की। हेमलता ने कहा कि मोदी सरकार अमेरिकी नीतियों के दबाव में काम कर रही है जिससे उद्योग, कृषि और सेवाओं पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता कमजोर की है और लोकतंत्र के मानदंडों की अनदेखी की जा रही है। प्रांतीय महासचिव जय भगवान और उपप्रधान सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार चार लेबर कोडों के माध्यम से मजदूरों को गुलामी की ओर धकेल रही है। सभा में सुमित सिंह, जगमाल सिंह, संदीप सांगवान, मास्टर वजीर सिंह, सतबीर सिंह, सुनील दत्त, बिजनेश राणा सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया। सभा में 26 नवंबर को होने वाले मजदूर-किसान संयुक्त प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। संचालन सीटू के प्रांतीय नेता सुखबीर सिंह ने किया।

तरावड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेते प्रताप स्कूल का स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

प्रताप स्कूल में क्षमता निर्माण पर हुआ विशेष कार्यक्रम

- छठ पर्व सेवा समिति मंडल ने संजय बठला को--
- कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में सीबीएसई के निर्देशानुसार क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय था जेंडर संवेदनशीलता । कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षण में आमंत्रित संसाधन व्यक्तियों किरण दलाल एवं वंदना शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इसके साथ गायत्री मंत्र व सरस्वती वंदना का उच्चारण किया गया । तत्पश्चात किरण दलाल ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि जेंडर संवेदनशीलता का अर्थ है -समाज में स्त्री एवं पुरुष दोनों को समान दृष्टि से देखना, भेदभाव मिटाना और एक सुरक्षित, सम्मानजनक तथा समान अवसर देने वाला वातावरण बनाना ।

कार्यशाला सफल

शिक्षकों को किया प्रेरित

कार्यक्रम में शिक्षकों को समझाया कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों में बचपन से ही समानता और सम्मान की भावना विकसित की जा सकती है। वंदना शर्मा द्वारा इससे संबंधित गतिविधियाँ भी कराई गई जिसमें सभी अध्यापकों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया । विद्यालय के चेयरपर्सन हन्नीचौधरी एवं निर्देशिका पिथी चौधरी द्वारा विद्यालय में समय-समय पर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन अध्यापकों के अध्यापन में विशेषता लाने के लिए आयोजित कराए जाते हैं । विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने अपने संबोधन में कहा कि जेंडर संवेदनशीलता केवल एक सामाजिक मूल्य नहीं है बल्कि एक शैक्षिक आवश्यकता है । उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपनी कक्षा में बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को समान अवसर दे। प्रशिक्षण के अंत में सभी अध्यापकों ने संकल्प लिया कि वे विद्यालय में जेंडर संवेदनशील वातावरण विकसित करेंगे ।

विधायक जगमोहन आनंद ने किया बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

निर्मल विहार स्थित बी-24 बैडमिंटन अकादमी में शनिवार को दो दिवसीय ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ विधायक जगमोहन आनंद ने रिबन काटकर किया। उनके साथ अकादमी संचालक नरेंद्र कुकरेजा, रविंद्र भाटिया और पार्षद संकल्प भंडारी विशेष रूप से मौजूद रहे। टूर्नामेंट में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से लगभग 400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। संचालक नरेंद्र कुकरेजा ने बताया कि प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं और अब खेलों में सुनहरा करियर बनाना संभव है। भाजपा सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है।

करनाल। बैडमिंटन अकादमी में मौजूद खिलाड़ी व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

करनाल को साक्षरता में बनाना है नंबर वन: डीईओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करनाल में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिला शिक्षा विभाग करनाल द्वारा शनिवार को जिला स्तरीय सर्वेक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नव भारत साक्षरता मिशन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अध्यापकों (सर्वेक्षकों) को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उल्लास संयोजक एवं नोडल अधिकारी अनिल सैनी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। उन्होंने बताया कि सितंबर 2025 तक जिले में 37,871 निरक्षरों की पहचान कर 31,027 लोगों को साक्षर बनाया गया है। मार्च 2026 तक 55,000 निरक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठुकराल ने कहा कि प्रत्येक अध्यापक को साक्षरता के इस अभियान में जोश और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि करनाल को साक्षरता में नंबर एक जिला बनाना हमारा सामूहिक लक्ष्य है।

करनाल। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक व डीईओ।

डिजिटल साक्षरता का ज्ञान भी अनिवार्य

जिला विज्ञान विशेषज्ञ दीपक वर्मा ने बताया कि सर्वेक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि आज करनाल जिला साक्षरता में हरियाणा में तीसरे स्थान पर है। प्राचार्य मंदीप शर्मा ने कहा कि मिशन का उद्देश्य केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को समझ के साथ पढ़ने-लिखने योग्य बनाना है। साथ ही डिजिटल साक्षरता का ज्ञान भी अनिवार्य बताया। इस अवसर पर डीईई सुदेश ठुकराल, नोडल अधिकारी अनिल सैनी, जिला विज्ञान विशेषज्ञ दीपक वर्मा, मीडिया समन्वयक दलीप सिंह, प्राचार्य सुरेश सैनीआदि मौजूद रहे।

बैंक चेयरमैन से मिले सांभली गोशाला के सदस्यगण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मनोकामना सिद्ध श्री वृंदावन धाम गौशाला सांभली में आगामी 30 अक्तूबर को गोपाष्टमी पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर तैयारियों को लेकर गौशाला के प्रधान गौरव गर्ग के नेतृत्व में कमेटी सदस्यों ने हरियाणा कृषि ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा से भेंट की और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। गौरव गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर हवन, भजन-कीर्तन और गौसेवा को समर्पित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दोपहर 3 बजे से भगवान श्री खाटू श्याम जी के संकीर्तन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विधायक भगवानदास कबीरपंथी समेत कई गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए हैं।

गोशाला की मौजूदा व्यवस्थाओं पर की चर्चा

बैठक के दौरान गोशाला की मौजूदा व्यवस्थाओं और भविष्य में गोसेवा को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदीप राणा, सुशील शर्मा, कुलदीप राणा, धनसिंह राणा, रजत गर्ग, सतीश गर्ग, अमित गर्ग, मुकेश राणा, यशपाल राणा सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। गौरव गर्ग ने कहा कि यह पर्व समाज में गौसेवा और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

तीन दिवसीय संत समागम में संतों ने मानवता ही सर्वोच्च धर्म का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मानव सेवा संघ करनाल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय संत समागम का शुभारंभ हुआ। 24 से 26 अक्तूबर तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर से सैकड़ों साधक, संत और विचारक भाग ले रहे हैं। संघ के संचालक स्वामी प्रेममूर्ति जी ने कहा कि स्वामी शरणानंद जी महाराज के बताए 'अहम् शून्य होकर मानवता की सेवा' के सिद्धांत पर अमल ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। सत्संग प्रतिदिन दो सत्रों में आयोजित हो रहा है, जिसमें साधकों के प्रश्नों का समाधान संतगण कर रहे हैं। डॉ. भगतराम खंडवाल एडवोकेट ने बताया कि समागम का उद्देश्य मानव सेवा संघ की विचारधारा का प्रचार-प्रसार और समाज में एकता व भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। मुख्य वक्ताओं में स्वामी प्रेमानंद जी (गुजरात), महामंडलेश्वर डॉ. परमानंद जी (रोहतक), गंगा डागा जी (वृंदावन), वाईपी सिंह (चंडीगढ़), देवकीनंदन (राजस्थान), रामसेवक प्रसाद (लखनऊ), राधेश्याम जेसवाल (बाराबंकी), डॉ. बालकिशन कौशिक और अन्य संत शामिल रहे।

करनाल। संत समागम में मौजूद आयोजक व संत। फोटो : हरिभूमि

एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम हुआ

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा में सीबीएसई के तत्वावधान में ज्ञान के सिद्धांत पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने रिसोर्स पर्सन्स आराधना कौशिक और वंदना राणा का स्वागत किया। संगोष्ठी में 59 शिक्षकों ने भाग लिया। दोनों रिसोर्स पर्सन्स ने ज्ञान के सिद्धांत पर कार्यशाला का सुंदर समन्वय और प्रभावी ढंग से संचालन किया। उन्होंने शिक्षकों को बताया कि विषयवस्तु पश्चिमी ज्ञान के सिद्धांत और भारतीय ज्ञान के अनुप्रयोग के बीच तुलना थी। भारतीय ज्ञान का सिद्धांत छह विधियों पर आधारित है: प्रत्यक्ष (धारणा), शब्द (साक्ष्य), अनुमान (तर्क), उपमान (तुलना), अनुपलब्धि (अवधारणा न होना) और अर्थापत्ती (धारणा और अनुमान)। संपूर्ण संगोष्ठी कहानियों, गतिविधियों और विस्तृत हैंड आउट्स से युक्त थी। रिसोर्स पर्सन्स ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन सिद्धांतों की तुलना की जा सकती है और वास्तविक कक्षाओं में इनका प्रयोग करके अनुभवात्मक विधियों के माध्यम से युवा शिक्षार्थियों की सीखने की क्षमता में वृद्धि की जा सकती है।

छठ पर्व सेवा समिति द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन

कथा श्रवण से मिलती है पापों से मुक्ति : सतीश मिश्र

- कथा और सत्संग मनुष्य को बुराइयों से दूर और अच्छाइयों की ओर करते हैं प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

छठ पर्व सेवा समिति मंडल की ओर से सूर्य मंदिर धर्मशाला में महाछठ पर्व के उपलक्ष्य में श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कथा व्यास आचार्य सतीश मिश्र ने प्रवचन में कहा कि श्रीराम कथा के श्रवण मात्र से भक्तों को पापों से मुक्ति मिल जाती है और जीवन में मर्यादा एवं सदाचार का भाव उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति संतों के सानिध्य में रहकर कथा का श्रवण करता है, उसका जीवन स्वतः बदल जाता है। कथा और सत्संग मनुष्य को बुराइयों से दूर और अच्छाइयों की ओर प्रेरित करते हैं। समिति प्रधान सुरेश कुमार यादव ने बताया कि 27 अक्तूबर की शाम व 28 अक्तूबर की सुबह हजारों श्रद्धालु पश्चिमी यमुना नहर पर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। मंदिर और धर्मशाला को भव्य रूप से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्थाएं की गई हैं। मंच संचालन जंग बहादुर यादव कर रहे हैं। कार्यक्रम में सुरेंद्र, हेमंत ठेकेदार, संजय कुमार, पार्षद सुधीर यादव, अर्जुन पंडित, उमेश चौहान, राम दयाल यादव, शत्रुघन राय, राजेश्वर, अरविंद राय, वशिष्ठ पंडित, अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

करनाल। कथा में प्रवचन करते कथा व्यास आचार्य सतीश मिश्र। फोटो : हरिभूमि

मंडियां बंद रख किसानों को लूटने की साजिश बनाई जा रही है : बहादुर मैहला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- किसानों का शोषण बर्दाश्त नहीं करेगी भाकियू

करनाल। बहादुर मैहला।

भारतीय किसान यूनियन (सर छोटूराम) ने पांच दिन तक मंडियां बंद रखने की नीति की कड़ी आलोचना की है।

यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने कहा कि यह किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर करने और उन्हें उनकी उपज औने-पौने दामों में बेचने के लिए मजबूर करने की सोची-समझी साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अधिकारी मंडी व्यवस्था बिगाड़कर किसानों को लूटने की योजना बना रहे हैं। मैहला ने कहा कि कई किसानों को मजबूरी में 1700 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर धान बेचनी पड़ी, जबकि सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य इससे कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि मंडियां धान से अटी पड़ी हैं, लेकिन उठान नहीं हो रहा। पांच दिन की बंदी के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।उन्होंने कहा कि सरकार केवल छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई कर खानापूर्ति कर रही है, जबकि बड़े अधिकारियों और घोटाले के असली जिम्मेवारों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मार्केट कमेटी, सरकारी खरीद एजेंसियां और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग मंडियों की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन यही अधिकारी मिलीभगत कर किसानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैहला ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मंडियों में उठान की स्थिति सामान्य नहीं की गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो किसान आंदोलन का रुख और तेज करेंगे।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में कैंटर चालक की मौत

समालखा। जीटी रोड किनारे खड़े कंटेनर के पीछे एक कैंटर की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर चालक उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ के थाना खैर के गांव बरका निवासी 37 वर्षीय हरिशंकर की मौत हो गई। हरिशंकर कैंटर को मथुरा से समालखा लेकर आ रहा था। समालखा के निकट डायमंड होटल यह हादसा हुआ। इधर, थाना समालखा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद हरिशंकर का शव उसके परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

हथवाला गांव में 1000 पौधें किए जाएंगे रोपित

समालखा। पानीपत के गांव हथवाला में बागवानी विभाग और ग्राम पंचायत की ओर से ग्रामीणों को 1000 फलदार पौधे वितरित किए गए। गांव की सरपंच प्राची के पिता कृष्ण कुमार ने ग्रामीणों को पर्यावरण की महत्ता की जानकारी दी। वहीं ग्राम पंचायत को जामुन, अमरूद, पपीता, आम, नींबू, संतरा आदि पौधे दिए गए है। इस अवसर पर रमेश भूरा, राकेश त्यागी, राजू पंजाबी, जमील, श्याम लाल, चमन लाल, सतीश, जय नारायण व बिरजू आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने कातिलाना हमलावर पकड़ा

पानीपत। सीआईए वन पुलिस की टीम ने काबड़ी रोड फ्लाई ओवर पुल के पास गांधी कॉलोनी हाल अर्जुन नगर निवासी अभिजीत पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपी गंगाराम कॉलोनी निवासी सूरज उर्फ गंजा को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन कार्यकारी प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने फरार अपने दो साथी आरोपियों साजिद व अंकित के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया अभिजीत पैसों के लेने देन को लेकर उसकी बेइज्जती कर रहा था। इसकी रंजिश रखते हुए उसने अपने दोस्त साजिद व अंकित के साथ मिलकर साजिश रची और उस पर चाकू से हमला किया। थाना पुराना औद्योगिक में घायल अभिजीत पुत्र सीताराम की शिकायत पर केस दर्ज है।

सीआईए वन पुलिस ने लूट के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने जीटी रोड पर गांव नांगल खेड़ी के पास सुधीर निवासी कैथल की कार का रास्ता रोककर लूट करने वाले गिरोह के दो आरोपियों मयंक उर्फ सूरज निवासी गांव रिठाल, हाल निवासी सूर्य नगर रोहतक व सन्नी निवासी कैथल को गिरफ्तार किया है। वहीं, सीआईए वन के कार्यकारी प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने फरार दो अन्य साथी आरोपियों नरेंद्र व विक्की के साथ मिलकर लूट की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा है। वहीं, लूट के इस केस की पूरी जानकारी लेने के लिए आरोपियों को कोर्ट से चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। वहीं, इस मामले में थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में कैथल निवासी सुधीर पुत्र कृष्ण लाल की शिकायत पर केस दर्ज है।

हादसे में शराब विक्रेता की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह की चौटाला रोड पर रोहिला फैक्ट्री के पास गांव बबैल निवासी विनोद को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में विनोद की मौत हो गई। राहगीरों ने परिजनों को फोन कर मामले की सूचना दी। इधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद विनोद का शव उसके परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो कारों की आमने सामने की टक्कर, थानेदार गंभीर

इसराना। पानीपत रोहतक नेशनल हाइवे पर इसराना में शनिवार को आमने सामने दो गाड़िया टकरा गई। हादसे में कार सवार शीतल पत्नी नरेंद्र निवासी शिव नगर, पानीपत व इसराना थाना के प्रभारी महीपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों को पीजीआई खानपुर रेफर किया गया है। दूसरी गाड़ी चालक नरेन्द्र वासी शिव नगर पानीपत ने बताया कि उसका एक माह का बेटा बीमारी के चलते पीजीआई रोहतक में दाखिल था। पीजीआई से छुट्टी कराकर वह अपनी गाड़ी में बच्चे को अपने परिवार वालों के साथ रोहतक से पानीपत आ रहा था।

सीएम सैनी ने पानीपत प्रशासन से वीसी के माध्यम से दिए जरूरी निर्देश

पानीपत में किसानों के धान के एक-एक दाने की होगी खरीद

सरकार की हर योजना का उद्देश्य जनकल्याण, अधिकारी ईमानदारी से करें काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने शनिवार को पानीपत प्रशासन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर होने वाली रन फॉर यूनिटी, वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम, गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस पर अलग अलग स्थानों से निकली जाने वाली यात्राएं और धान व बाजरे की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की। वहीं, सीएम सैनी ने पानीपत प्रशासन को जिम्मेदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार की हर योजना का उद्देश्य जनकल्याण है और इसके लिए अधिकारी ईमानदारी व समर्पण से काम करें। इधर, बैठक के उपरांत उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश साझा किए। उन्होंने कहा कि एकता और समरसता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना हमारा नैतिक कर्तव्य है। रन फॉर यूनिटी केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और एकजुटता की प्रतीक है। प्रशासन इस कार्यक्रम के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ दहिया ने कहा कि वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होना हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा का प्रतीक है जिसने स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी। इस अवसर पर युवाओं और विद्यार्थियों को इसके ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर निकलने वाली यात्राएं त्याग, धर्म और मानवता की प्रेरणा हैं। जिला प्रशासन इन यात्राओं की संपूर्ण तैयारी और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ वीसी पर बैठक करते हुए प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी।

अधिकारी निरंतर अपडेट रहें

धान और बाजरे की खरीद प्रक्रिया को लेकर उपायुक्त डॉ दहिया ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिले, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित विभाग पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। जहां भी खामियां नजर आएं, वहां तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने, अतिरिक्त उपायुक्त, जिला जनसंपर्क अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, सांख्यिकी अधिकारी, जिला परिषद सीईओ एवं अन्य अधिकारियों को अपने कार्यों में समन्वय, तत्परता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इधर, डॉ. दहिया ने विधानसभावार निकलने वाली आत्मनिर्भर भारत एवं श्रेष्ठ भारत यात्राओं की तैयारियों पर भी चर्चा की और कहा कि ये यात्राएं जनता को देश की प्रगति में सहभागी बनाने का माध्यम हैं। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पानीपत प्रशासन को इन कार्यक्रमों को गंभीरता से आयोजित करने के निर्देश दिए। जबकि मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने कहा कि अधिकारी निरंतर अपडेट रहें और सभी कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करें।

कानून-व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश

दूसरी ओर, पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने कानून-व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे आयोजनों में मजबूत पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित करें और सुरक्षा प्रबंधों में कोई कमी न रहने दें। इधर, पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मार्गों से यात्राएं गुजरेंगी, वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। सड़क या मार्गों पर जहां भी टूट-फूट है, उसे तुरंत दुरुस्त कराया जाए। जबकि उपायुक्त डॉ. दहिया ने समालखा, पानीपत व इसराना के एसडीएम को निर्देश दिए कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्यक्रमों को सफल बनाएं, मंडियों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि धान का एक-एक दाना खरीदा जाए।

देश, समाज एवं मानवता की सेवा करें : शर्मा

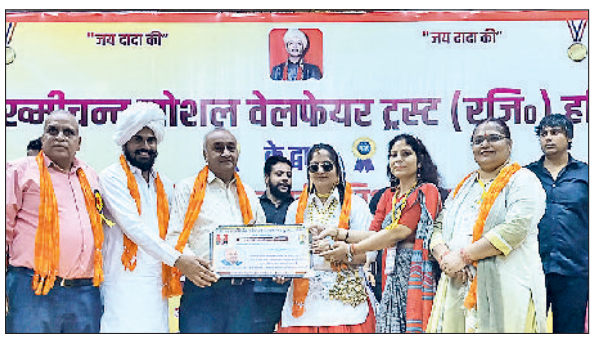

पानीपत। एसडी कॉलेज में पानीपत गौरव अवार्ड से सम्मानित होते हुए गणमान्य नागरिक।

- दादा लखीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट ने उत्कृष्ट सेवा करने वालों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

हरियाणवीं लोक कला एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार को समर्पित संस्था दादा लखमीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट हरियाणा द्वारा एसडी कॉलेज में पानीपत गौरव अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में अपने कार्य क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्र जैसे डॉक्टर, वकील, अध्यापक, पत्रकार, महिला सशक्तिकरण, लोक कलाकार, खिलाड़ी, राजनीती, उद्योगपति, दिव्यांग कल्याण, बाल कल्याण, फौजी, सामाजिक कार्यकर्ता आदि को विशेष पानीपत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोग बतौर अतिथि शरीक हुए। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए मेयर कोमल सैनी ने कहा कि पानीपत गौरव अवार्ड जैसे आयोजन अन्य समाज सेवकों के लिए एक प्रेरणा का काम करेंगे और वह और उत्साह के साथ सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। उत्साह वर्धन के ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम पानीपत में निरंतर चलने चाहिए। राजीव परुथी, धर्मवीर पाढ़ा आदि मौजूद रहे।

मांगनी चाहिए माफी

संस्था की महिला इकाई की संयोजिका सीमा हरियाणवीं ने बताया कि अक्षय कुमार के फैन अजीत अहलावत व प्रियंका तथा हरियाणा फेम बार्बी डॉल कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट रहे। सभी का धन्यवाद संस्था के महासचिव नरेंद्र गर्ग ने किया। वहीं कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले प्रतिभागियों को संस्था की तरफ से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामलाल भाटिया, संस्था के महासचिव नरेंद्र गर्ग, जगबीर आर्य, ओमबीर पंवार, बालकिशन शर्मा, मोना शर्मा, नीरजा सिंगला, पवन धीमान, रामलाल भाटिया, सुरेश शर्मा, अमित कादियान, नीरज पाल, उमेद सिंह, रश्मि शर्मा, मीमांसा, ज्योति डागर आदि मौजूद रहे।

आर्य कॉलेज में लैक्रोस रेफरी कोचिंग कैंप का शुभारंभ, सीखें खेल के गुर

- प्रदेश स्तरीय कैंप में सूबे के 14 जिलों के पुरुष व महिला खिलाड़ी व कोच भाग ले रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आर्य कॉलेज में लैक्रोस रेफरी कोचिंग कैंप में भाग लेते हुए खिलाडी व प्रशिक्षक।

लैक्रोस संघ हरियाणा के तत्वावधान में आर्य पीजी कॉलेज के खेल परिसर में दो दिवसीय हरियाणा स्टेट रेफरी कोचिंग कैंप का शनिवार को शुभारंभ हुआ। वहीं कैंप में प्रदेश के 14 जिलों से आए 75 पुरुष व महिला खिलाड़ी तथा कोच भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को लेक्रोश खेल की तकनीकी एवं व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य राज्य में लैक्रोस खेल को प्रोत्साहित करना तथा रेफरियों और कोचों के कौशल को निखारना है। कार्यक्रम में लैक्रोस संघ हरियाणा रेफरी बोर्ड के चेयरमैन सोमनाथ सैनी व कन्वीनर राजपाल रेढ़ू ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। टूरण ने बताया कि शिविर खेल की गुणवत्ता में सुधार लाने और खिलाड़ियों में नई ऊर्जा भरने में सहायक सिद्ध होंगे। कैंप के दौरान प्रमुख रूप से सुमित राठी, मनीष (रोहतक), प्रवीन (दादरी), अनिल गौड़ (पलवल), राम रति (फरीदाबाद) आदि मौजूद रहे।

तृतीय मैत्री अभिनंदन समारोह का आयोजन

पानीपत। माडल टाउन में नारी कल्याण समिति की ओर से जापान टोक्यो से निकलने वाली अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका हिन्दी की गूंज के तत्वावधान में तृतीय मैत्री अभिनन्दन समारोह हुआ। कार्यक्रम में समिति की प्रधान डा.कंचन साग, हिंदी की गूंज पत्रिका की संस्थापक एवं संरक्षक जापान टोक्यो में निवास करने वाली डा.रमा शर्मा मुख्य अतिथि व अति विशिष्ट अतिथि मेयर कोमल सैनी, मोनिका सलूजा, ज्योत्स्ना गर्ग, सिमरन गिरधर, सुधा शर्मा, राखी टुटेजा, नीलम मेहता, सरोज आहूजा, डा.वीके भाटिया, रेनू बंसल, कृष्णा सडाना, रश्मि अखौरी, मंजु भसीन,ज्योतिका सक्सेना, सुमन शिंगला, सुनीता गुलाटी, शशि शर्मा, कंवल सोंई, योजना रोहिला आदि मौजूद रहे।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नए कीर्तन दरबार हाल का शुभारंभ

- रिबन काटकर डेरे परिसर के नए कीर्तन हाल का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। डेरा बाबा जोध सचियार में कीर्तन करते हुए श्रद्धालु आदि।

डेरा बाबा जोध सचियार जीटी रोड में धन-धन साहिब श्री गुरु नानक देव महाराज के 556वें प्रकाशपुरब एवं साहिब गुरु तेग बहादुर पातशाह के 350वें सालाना शहीदी शहादत दिवस के शुभ अवसर पर हांसी के विधायक व डेरे के प्रधान सेवादार विनोद भयाना के मार्गदर्शन में सरपरस्त रामनाथ भयाना व सचिव मदन मोहन भयाना ने रिबन काटकर डेरे परिसर के नए कीर्तन दरबार हाल का उद्घाटन किया। भयाना ने कहा कि कमेटी डेरा बाबा जोध सचियार के सभी सदस्यों के गर्व की बात है कि श्रीगुरु नानक देव महाराज के प्रकाशपुरब पर साध संगतों के लिए नए कीर्तन दरबार हाल का शुभारंभ हुआ है। श्रीगुरुनानक देव ने निःस्वार्थ सेवा व सच्चे प्रेम के महत्व पर जोर दिया। कार्यकारिणी सदस्य जसपाल भयाना ने बताया कि भाई जसप्रीत सिंह दिल्ली वाले, सोनू वीर व भाई जसवंत सिंह अरनिया पानीपत, भाई सुखमनी साहिब सेवा सोसायटी पानीपत व रागी ज्ञानी भाई कुलवंत सिंह एवं साथी ने श्रीगुरु नानक की शिक्षा व संदेश से साध संगतों को निहाल किया।

श्रमिकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में किया जागरूक

- कर्मचारियों को जीवन में कभी भी नशा नहीं करने के बारे में दिलवाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

पानीपत। श्रमिकों को जागरूक करते एएसआई जगपाल।

नशा मुक्ति अभियान के दौरान, नशा मुक्ति अभियान के इंचार्ज एएसआई जगपाल सिंह ने शनिवार को कपूर इंडस्ट्री गांव झटीपुर समालखा में कर्मचारियों को नशा करने के दुष्परिणाम बारे विस्तृत जानकारी देकर जीवन में कभी भी नशा नहीं करने बारे शपथ दिलवाई गई। गौरतलब है कि डीएसपी नरेन्द्र समालखा की देखरेख में नशा करने वाले व्यक्तियों का सरकारी अस्पताल पानीपत में फ्री इलाज करवाने व जो व्यक्ति नशा बेचते हैं उनकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करने बारे सभी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। एएसआई जगपाल ने कहा नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण युवा वर्ग तेजी से मानसिक बीमारियों की गिरफ्त में आ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों को शपथ दिलवाते हुए कहा आज हम एकजुट होकर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक प्रतिज्ञा लेते हैं की ना केवल हमारे समुदाय, परिवार, दोस्त बल्की खुद को नशा मुक्त बनाएंगे क्योंकि परिवर्तन भीतर से शुरू होता है, इसिलिए आओ मिलकर अपने भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लें।

पानीपत। अपोलो स्कूल के विद्यार्थी नशे के विरोध में जागरूकता रैली निकालते हुए ।

विद्यार्थियों ने नशे के विरूद्ध जागरूकता रैली

समालखा। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल गांव पट्टीकल्याणा में नशा मुक्त हरियाणा स्वस्थ हरियाणा अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने पोस्टर और बैनर के माध्यम से जनता को नशे के विरोध में जागरूक किया। प्रधानाचार्य अलका टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों ने परिसर में अपने जीवन में नशा न करने और दूसरों को भी इसके विरोध में जागरूक करने की प्रतिज्ञा भी ली। वहीं शिक्षकों के मार्गदर्शन में रैली की शुरुआत विद्यालय के प्रांगण से होकर आसपास के क्षेत्र तक पहुंची। विद्यार्थियों ने सभी को नशे के दुष्प्रभावों के माध्यम से नशे से दूर रहने का आग्रह किया। अलका टंडन ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है जिससे ना केवल नशा करने वाला व्यक्ति बल्कि उनके साथ.साथ परिवार समाज और राष्ट्र को भी हानि उठानी पड़ती है। विद्यालय के एडमिन प्रमुख विकास अरोड़ा ने कार्यक्रम की सफलता पर स्टाफ व विद्यार्थियों को बधाई दी।

एनकाउंटर की धमकी देने वाले इंस्पेक्टर की रिपोर्ट की तलब

सीआईए वन प्रभारी पर विवादित भूमि खरीदने व दूसरी पार्टी को धमकी देने का मामला, डीएसपी ने जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

हरियाणा पुलिस मुख्यालय ने लाइन हाजिर किए गए पानीपत पुलिस की सीआईए वन के प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप चहल का पूरा रिकार्ड व भूमि की खरीदफिरोख्त में दूसरी पार्टी को सरकारी मोबाइल फोन से एनकाउंटर की धमकी देने की मोबाइल फोन रिकार्डिंग आदि तलब करते हुए पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह को एसआई संदीप चहल के पानीपत कार्यकाल व उस पर लगे आरोपी की जांच निष्पक्ष कराते हुए जांच रिपोर्ट तलब की है। वहीं, सब इंस्पेक्टर संदीप चहल द्वारा विवादित भूमि के दूसरे मालिक को सरकारी मोबाइल फोन नंबर से धमकी देने के मामले की प्रथम चरण जांच के बाद एसपी भूपेंद्र सिंह ने एआई चहल को लाइन हाजिर कर दिया और सीआईए श्री के प्रभारी इंस्पेक्टर विजय को सीआईए वन का कार्यकारी प्रभारी नियुक्त किया है। दूसरी ओर, डीएसपी सिटी आत्माराम ने एसआई संदीप चहल पर लगे आरोपों की विभागीय जांच शुरू कर दी है।

ये है मामला

पानीपत के गांव नंगला पार निवासी रामफल का उनके ही भाई आजाद के साथ भूमि के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। वहीं, रामफल का दावा है कि विवादित भूमि को सीआईए वन के प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप चहल ने आधे दाम देकर खरीद लिया। इधर, संदीप ने सरकारी मोबाइल फोन से रामफल के पुत्र राजन को धमकी दी और भूमि से दूर रहने की बात कही। वहीं, एसआई संदीप करीब बीस मिनट तक मोबाइल फोन पर राजन को विभिन्न तरीके से धमकी देता रहा और उसे डराता रहा। इधर, रामफल ने इस राजन व एसआई संदीप के बीच हुई बातचीत की कॉल रिकार्डिंग एसपी भूपेंद्र सिंह को सुनवाई, इस कॉल टेप को सुनने के बाद एसपी भूपेंद्र ने एसआई संदीप चहल को प्रथम दृष्टि दोषी मना कर उन्हें लाइन हाजिर किया और डीएसपी को इस मामले की जांच के आदेश दिए।

मादक पदार्थ के तीन तस्कर पकड़े

पानीपत। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने 274 किलो 730 ग्राम चुरापोस्त (मादक पदार्थ) तस्करी मामले में आरोपी तस्कर गांव खिड़वाली रोहतक निवासी हरजीत उर्फ हरदीप को गिरफ्तार कर नशा तस्करी में प्रयुक्त कैंटर की फर्जी आरसी तैयार करने वाले दो आरोपियों गांव महराणा जिला झज्जर निवासी ऋषिराज व गांव उंटक नूह निवासी जुनैद को पकडा है। वहीं, एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि उनकी टीम ने बीती 30 सितंबर की रात पट्टीकल्याणा के पास स्थित पहलवान ढाबा के परिसर में खड़े एक बंद बॉडी कैंटर से नशे की खेप पकड़ी थी। बॉडी के अंदर एक अलग केबिन बनाकर उसमें मादक पदार्थ से भरे प्लास्टिक कट्टों को छुपाकर रखा था। कैंटर से 274 किलो 730 ग्राम डोडा/चुरापोस्त बरामद हुआ था। उन्होंने बताया कि कैंटर व बरामद चुरापोस्त को कब्जा पुलिस में लेकर थाना समालखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज करवाया।

शहीदी स्मारक के भ्रमण से जवानों को मिली समर्पण की प्रेरणा

पानीपत में पुलिसकर्मियों ने शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जवानों ने पुलिसबलों की वीर गाथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं व बलिदानों को जाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

अमर शहीदों की याद में पुलिस विभाग की ओर से शहीदी दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। वहीं, शनिवार को पानीपत पुलिस भलाई शाखा इंचार्ज इंस्पेक्टर नीरज के नेतृत्व में पानीपत जिला पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों के एक दल ने राष्ट्रीय शहीदी स्मारक, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली का भ्रमण किया। यहा जवानों ने देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दल के सभी जवानों ने इस दौरान स्मारक में प्रदर्शित पुलिस बलों की वीर गाथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और बलिदानों की जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय शहीदी स्मारक के भ्रमण से जवानों में अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण, देशभक्ति व सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा मिली। जवानों के दल का नेतृत्व कर रहे भलाई शाखा इंचार्ज इंस्पेक्टर नीरज ने कहा कि पुलिस शहीदी दिवस केवल स्मरण दिवस नहीं, बल्कि शहीदों के अदम्य साहस, त्याग और कर्तव्य निष्ठा को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने देश की एकता व अखंडता की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। सभी अधिकारियों और जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वहीं इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि राष्ट्रीय शहीदी स्मारक के भ्रमण का उद्देश्य जवानों में शहीदों के बलिदान के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना हैं।

पानीपत। राष्ट्रीय शहीदी स्मारक, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में शहीदों को नमन करते हुए पानीपत पुलिस की टीम।

खबर संक्षेप

अंबाला। मंत्री श्याम सिंह राणा परिवार से मिलकर शोक जताते हुए।

कृषि मंत्री ने वकील की मौत पर जताया दुःख

अंबाला। कृषि एवं कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को गांव हरड़ी में स्वर्गीय एडवोकेट जगमाल सिंह राणा के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मिलकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना व्यक्त की। बता दें कि 75 वर्षीय एडवोकेट जगमाल सिंह का बीते दिनों आकस्मिक निधन हो गया था। स्वर्गीय जगमाल सिंह अपने पीछे पत्नी सुदेश रानी, बेटा संदीप चौहान एडवोकेट, देवेंद्र चौहान, रितू तंवर को छोड गए हैं। इस मौके पर राजबीर सिंह पूर्व विधायक, मार्केट कमेटी मुलाना के चेयरमैन जसमेर राणा, पूर्व सरपंच नीरज चौहान, अनिल राणा, किसान मोर्चा के सदस्य राजबीर हरड़ा, पूर्व सरपंच शेरगढ़ राम प्रकाश बक्शी, सरपंच साहा काका बत्रा, वाशु के साथ कई ग्रामीण भी मौजूद थे।

चोरी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी कवि को गिरफ्तार किया है। परिवादी गनाना मनी ने 24 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि फील्ड अस्पताल से आरोपी कवि ने बिजली की तारें चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

47 पव्वे देशी शराब सहित आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला छावनी क्षेत्र से अवैध शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी सुशील कुमार को 47 पव्वे देसी शराब सहित काबू किया है। पुलिस को अदालत ने जेल भेज दिया है। पुलिस दल को सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी सुशील कुमार अवैध तरीके से शराब बेचने का कार्य करता है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को 47 पव्वे देसी शराब सहित काबू किया।

चोरी का आरोपी दो दिन के रिमांड पर भेजा

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सोनू उर्फ काका को गिरफ्तार किया है। उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। अजीतनगर के रंजन ने 26 जून 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी दुकान से आरोपी ने गल्ले से एक बड़ी रकम चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

कबूतरबाजी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा में दर्ज कबूतरबाजी के मामले में पुलिस ने आरोपी शुभम गौतम को गिरफ्तार किया है। उसे अब जेल भेज दिया गया है। केसरी गांव के विक्रम सिंह ने 24 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 21 जून 2021 को आरोपी शुभम गौतम ने उसकी बहन को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधडी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

साइबर ठगी करने के मामले में एक दबोचा

अंबाला। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने आनॅलाइन वर्क करवाने के नाम पर लाखों रूपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक अन्य आरोपी आदित्य को गिरफ्तार किया है। उसे दो दिन के रिमांड पर लिया है। पीड़ित महिला ने 6 जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 5 दिसंबर 2024 से 10 दिसंबर के दौरान आनॅलाइन वर्क करवाने के मामले में 6:50 लाख ठगने का आपराधिक कार्य किया है।

भाजपाइयों ने उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाया असीम गोयल का जन्मदिन

पूर्व मंत्री ने हमेशा जनता के हितों को सर्वोपरि रखा

कई जगह लगे भंडारे, युवाओं ने रक्तदान कर पूर्व मंत्री की लंबी उम्र की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पूर्व मंत्री असीम गोयल का जन्मदिन शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने दिन की शुरुआत हवन यज्ञ के साथ की। उन्होंने पूर्व मंत्री असीम गोयल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। हवन स्थल पर कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर असीम गोयल के प्रति अपने सम्मान और लगाव को व्यक्त किया। गोयल के समर्थक इस दिन को "सेवा और संकल्प दिवस" के रूप में मना रहे हैं। बता दें कि पूर्व मंत्री असीम गोयल बिहार चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनकी गैरमौजूदगी भी उनके समर्थकों के जोश को ठंडा नहीं कर पाई। समर्थकों ने ऐसे में असीम गोयल ने भी वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़कर समर्थकों का आभार व्यक्त किया और इस मौके पर कई भाजपा नेताओं और समाजसेवियों ने भी उन्हें को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उनके जनसेवा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि असीम गोयल ने हमेशा जनता के हितों को सर्वोपरि रखा है। शहर के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं। शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान शिविर, लंगर सेवा और पौधारोपण जैसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि इस दिन को समाजहित के रूप में यादगार बनाया जा सके।

अंबाला। पूर्व मंत्री असीम गोयल के जन्मदिन पर भंडारे में भोजन का वितरण करते नेता व कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

विकास कार्यों का आगाज़

अंबाला शहर सेक्टर 10 की मुख्य सड़कों के निर्माण कार्य की शनिवार को विधिवत शुरुआत की गई। बता दें कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक से लेकर सेक्टर 10 स्टेडियम और गुरुद्वारा चौक तक सड़कों का निर्माण लगभग 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। सड़कों के निर्माण के शुभारंभ के मौके पर पूर्व मंत्री के प्रतिनिधि रितेश गोयल,भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा, कई मंडल अध्यक्ष, जिला परिषद चेयरमैन मक्खन सिंह लबाना व मार्केट कमेटी चेयरमैन मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व और असीम गोयल के प्रयासों से अंबाला विकास के पथ पर अग्रसर है। इसके साथ ही सेक्टर 8 से अनाज मंडी जाने वाली सड़क के निर्माण का भी शुभारंभ किया गया। इसकी अनुमानित लागत 49 लाख है। इसके साथ साथ वार्ड 18 में हैफेड के गोदाम की तरफ जाने वाली व अन्य सड़कों और वार्ड 9 में एमडीएसडी कॉलेज रोड़ नावल्टी चौक वाली मुख्य सड़क के कार्य का शुभारंभ किया गया।

फल व दूध का वितरण

भाजपा नेता आशीष टक्कर ने पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल के जन्मदिवस को एक अनोखे और प्रेरणादायक तरीके से सेवा भाव के रूप में मनाया। इस अवसर पर उन्होंने शहर स्थित पशुपति नाथ कुष्ठ आश्रम में रह रहे लोगों को फलों और दूध का वितरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुष्ठ आश्रम के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। यहां सभी ने असीम गोयल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा में निरंतर प्रगति की कामना की। टक्कर ने इस मौके पर कहा कि असीम गोयल का जीवन समाजसेवा और जनकल्याण को समर्पित है। उनका जन्मदिन केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

समर्पण भाव के साथ मनाया

पूर्व मंत्री असीम गोयल का जन्मदिन पूरे अंबाला शहर में सेवा और समर्पण भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय अंब कमल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकर्ताओं, युवाओं और समर्थकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह से ही जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शिविर का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा, भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में हुआ।

ये रहे मौजूद

इसमें प्रतिनिधि रितेश गोयल,जिलाध्यक्ष मनदीप राणा,मार्केट कमेटी चेयरमैन जसविंदर सिंह उगाडा, आढ़ती एसोसिएशन के पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। जसविंदर सिंह ने बताया कि सेवा का संकल्प लेकर ही पूर्व मंत्री का जन्मदिन मनाया जा रहा है। इसके अलावा दुर्गा नगर,जगाधरी गेट,हनुमान मंदिर,मॉडल टाउन,बलदेव नगर,वार्ड 5,कपड़ा मार्केट, मानव चौक पर भी जगह भी भंडारों का आयोजन किया गया। कई जगह केक काटकर असीम गोयल को जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश लढाना, अमन सूद,मनीष आंनद, निगम सदस्य हितेश जैन,राकेश सिंगला, जसबीर सिंह,संजीव गोयल टोनी,विनोद बंसल व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

अंबाला। हवन यज्ञ में आहुतियां डालते स्कूली छात्र। फोटो : हरिभूमि

अपनी पुरातन वैदिक संस्कृति का सम्मान करने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में महात्मा आनंद स्वामी जयंती से पुण्यतिथि आनंद पर्व" के रूप में मनाई गई। इसके तहत शनिवार को महात्मा आनंद स्वामी स्मृति में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा के तत्वावधान में डीएवी कॉलेज प्रबन्धकर्तृ समिति, नई दिल्ली, एवं आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली, के प्रधान पद्मश्री "डॉ. पूनम सूरी" के मार्गदर्शन में महात्मा आनंद स्वामी "आनंद पर्व" पूरे हरियाणा प्रदेश में अत्यंत प्रभावशाली रूप से मनाया जा रहा है। प्रिंसिपल एवं आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा के मंत्री डॉ. विकास कोहली ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ मिलकर हवन यज्ञ किया और सभी बच्चों ने यज्ञ में बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया तथा यज्ञ के महत्व को समझा। डॉ. कोहली ने बच्चों को बताया कि हमे अपनी पुरातन वैदिक संस्कृति का सम्मान करना चाहिए और उसको अपनाना चाहिए। इसमें गायत्री मंत्र को बहुत ही महत्वपूर्ण और लाभदायक माना गया है। प्रतिदिन इस मंत्र का जाप करने से हमारी बुद्धि कुशाग्र और तेज़ होती है। उन्होंने बताया महात्मा आनंद स्वामी सरस्वती वैदिक धर्म, शिक्षा, समाज-सुधार और स्वतंत्रता के महायोगी थे। उनका जीवन स्वामी दयानंद की शिक्षाओं का मूर्त रूप था।

- प्रिंसिपल कोहली ने छात्रों को हवन की महत्ता की विस्तार से दी जानकारी

उन्होंने अपने तप, त्याग और कर्म से समाज में वैदिक विचारधारा की ज्योति प्रज्वलित की। आर्य समाज से प्रभावित हो महात्मा आनंद स्वामी ने युवा अवस्था से ही अपना जीवन वैदिक धर्म के प्रचार के लिए समर्पित कर दिया। विश्व के विभिन्न देशों में पहुंच कर वैदिक धर्म का प्रसार किया। महात्मा आनंद स्वामी हमारे बीच में भले ही नहीं हैं किंतु उनके उपदेश ,उनके प्रवचन पुस्तकों के रूप में निरंतर हम सबके मन में विराजमान रहेंगे। वह हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत थे। इस पुण्यमास में हम सबको यह प्रण करना चाहिए कि स्वामी दयानंद, महात्मा आनंद स्वामी और वैदिक ऋषियों के आदर्शों को अपने व्यवहार में लाएंगे।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सेजल प्रथम

- लगभग 350 प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्गों में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

राज्य बाल कल्याण परिषद शाखा द्वारा गत वीरवार को बाल भवन, कैथल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लगभग 350 प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्गों में भाग लिया। इसमें जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा सेजल ने चतुर्थ श्रेणी (कक्षा 9वीं से 12वीं) की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्केचिंग ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता में द्वितीय श्रेणी (कक्षा 6वीं से 8वीं) में हेमन ने चौथा स्थान तथा चतुर्थ श्रेणी (कक्षा 11वीं से 12वीं) में हिमांशु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जाट वमावि की कक्षा 11वीं की छात्रा सेजल को सम्मानित करते पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

सभी विजेता विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। विजेताओं को 14 नवंबर (बाल दिवस) के अवसर पर प्रशासन द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय की संस्कृतिक प्रभारी अध्यापिका मनीषा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जाट हाई स्कूल सोसायटी के प्रधान राजकुमार बेनीवाल, उपप्रधान बलजिंदर बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि दुल तथा कोषाध्यक्ष बलकार सैन ने विजेताओं को प्रेरित करते आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सोसायटी के सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा, दलवीर कैरो, महावीर रविश, राजपाल गुहना, सन्नी चौशाला, महावीर कुंडू, विक्रम सोगल, कुलदीप सिंह, रजत रापड़िया, स्वतंत्र पाल सिंह और जसबीर मानस उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका पर संगोष्ठी

कैथल। पुलिस शहीदी स्मृति के उपलक्ष में डीएसपी सुशील प्रकाश व थाना महिला प्रबंधक एसआई वीना की टीम द्वारा एसबीएस इंटरनेशनल स्कूल सिसला में राष्ट्र निर्माण में पुलिस भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसके दौरान डीएसपी सुशील प्रकाश व एसआई वीना द्वारा कैथल के 5 अमर पुलिस शहीदों के जीवन की गौरव गाथा बारे विद्यार्थियों तथा स्टाफ को अवगत करवाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी उपासना के मार्गदर्शन अंतर्गत आयोजित किए गये कार्यक्रम दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि पुलिस अफसर होना शान की बात है, पुलिस का कार्य कोई नौकरी नहीं है, अपितु एक सेवा है। पुलिस विभाग के कर्मचारी दिन-रात अपने परिवार की परवाह किए बगैर आमजन की सेवा के लिए चौक-चौराहों पर खड़े रहते है। देश में किसी भी आंतरिक दंगे, असामाजिक गतिविधियों के साथ राजनीतिक जलसा-जुलूसों में पुलिस हर समय मौजूद रहती है

लघुनाटिका के जरिए विद्यार्थियों ने सामाजिक कुरीतियों पर किया प्रहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

डीएवी पब्लिक स्कूल में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप सभा के तत्वावधान में वैदिक संस्कार पुण्य पखवाड़ा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विजय पर्व, आनंद पर्व और बोध पर्व जैसे विविध आयोजन विद्यालय में किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में आनंद पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रांगण में एक लघु नाटिका का मंचन किया गया जिसमें समाज में व्याप्त कुरीतियों भ्रष्टाचार, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह आदि पर प्रभावशाली ढंग से प्रहार किया गया। इस लघु नाटिका का सफल संचालन हिंदी विभाग की शिक्षिका कृष्णा देवी द्वारा किया गया। कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज को यह संदेश दिया कि लड़कियों को शिक्षित करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

बराड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

प्रतियोगिताओं का भी सफल आयोजन

कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, श्लोक उच्चारण जैसी प्रतियोगिताओं का भी सफल आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुनीता कपूर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "समाज का संरक्षण तभी संभव है जब हम उसे कुरीतियों से मुक्त करें। विद्यालय वह स्थान है जहां बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है, न केवल बौद्धिक बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी।" उन्होंने यह भी कहा कि यदि हम बच्चों को समाज की बुराइयों से अवगत कराते रहें और उन्हें सुधार की दिशा दिखाएं, तो निश्चित ही हम अपने समाज को 'सत्यम, शिवम, सुंदरम' के आदर्श रूप में ढाल सकते हैं।

उचाना। जिलास्तरीय कलचरल फेस्टिवल में विजेता प्रतिभागी। फोटो :हरिभूमि

एकल नृत्य में नियति ने मारी बाजी

उचाना। उचाना में जिला स्तरीय पर आयोजित हुई कलचरल फेस्टिवल प्रतियोगिता के 5वीं से 8वीं तक के ग्रुप में एक बार फिर जीएमएसपीएस डूमरखा की छात्राओं ने परचम लहराया है। प्रतियोगिता जींद के डिफेंस कालोनी स्थित राजकीय स्कूल में हुई। छात्रा नियति पुत्री जोगिंद्र ने एकल नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। समूह नृत्य में टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की तैयारी में विद्यालय के जेबीटी शिक्षक बलजीत सिंह, मनोज कुमार, शिक्षिका सुदेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि के लिए विद्यालय के मुखिया सतीश कुमारए प्राचार्या सुनीता शर्मा ने टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी व अग्रिम प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

राहत छह महिलाएं चला रही अटल कैंटीन, सीजन में प्रतिदिन 500-600 तक बिक रही थाली

किसान-श्रमिकों को मिल रहा दस रुपये में स्वादिष्ट भोजन

ऑफ सीजन में बिकती है 250 थाली, आढ़ती बोले-अब ढाबे से खाना मंगवाने की नहीं पड़ती जरुरत, कैंटीन का 18 मार्च 2025 को पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने किया था उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़

प्रदेश सरकार की पहल पर अनाज मंडी में अटल श्रमिक किसान कैंटीन संचालित की जा रही है। कैंटीन का संचालन महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। कैंटीन को हरियाणा राज्य कृषि विपणन मंडल के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस कैंटीन का 18 मार्च 2025 को पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी द्वारा उद्घाटन किया गया था।

10 रुपये में मिल रहा स्वादिष्ट भोजन : कैंटीन प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक खुली रहती है। यहां आने वाले किसानों, मजदूरों, आढ़तियों व अन्य लोगों को मात्र 10 रुपये में शुद्ध और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को पहले 10 रुपये का कूपन लेना होता है उसके बाद भोजन दिया जाता है। कैंटीन में सीजन के दौरान 500 से 600 कूपन प्रतिदिन तक की बिक्री होती है, जबकि ऑफ-सीजन में लगभग 250 कूपन बिकते हैं। सरकार की ओर से प्रति थाली 15 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाती है।

अंबाला। कैंटीन में खाना खाते किसान एवं श्रमिक। फोटो :हरिभूमि

सेल्फ हेल्प ग्रुप कर रहा संचालन

इस कैंटीन का संचालन छह महिला सदस्यों का सेल्फ हेल्प ग्रुप कर रहा है। इसमें मुनिया कश्यप (बरौली), रानी देवी (पंजलासा), सीमा देवी (पंजलासा), पूजा देवी (नबीपुर), कमलेश देवी और मिथलेश देवी शामिल है। इन महिलाओं ने पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, घेल कलां और इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट भंभोली जिला यमुनानगर से खाना बनाने की ट्रेनिंग प्राप्त की है। मुनिया कश्यप ने बताया कि कैंटीन से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्हें स्वयं की पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि अब हमें घर बैठे रोजगार मिला है और आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी।

जनहितैषी कदम

आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान योगेंद्र मोहन शर्मा ने कहा, कि सरकार द्वारा अटल किसान मजदूर कैंटीन खोलना अत्यंत सकारात्मक और जनहितैषी कदम है। इससे मंडी में आने वाले किसानों, मजदूरों और व्यापारियों को बहुत सुविधा हुई है। किसान कृष्ण कुमार ने कहा कि कैंटीन से हमें मी में रहते समय खाने की बहुत सुविधा मिल गई है, अब बाहर खाना ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ती। किसान कमलजीत सिंह ने कहा कि 10 रुपये में शुद्ध और गरम खाना मिलना किसी वरदान से कम नहीं, यह सरकार की किसान हितैषी सोच का उदाहरण है।

प्रति थाली 15 रुपये सब्सिडी

कैंटीन खुलने से किसानों और मजदूरों को मंडी में रुकने के दौरान खाने की परेशानी नहीं झेलनी पड़ती। गांव जंगूमाजरा के किसान बेरी राम ने कहा सिर्फ 10 रुपये में अच्छा खाना मिलना सरकार की सराहनीय पहल है। रायपुर वीरान के मजदूर धर्मपाल ने कहा कि मंडी में काम करते समय पहले हमें घर जाकर या बाहर ढाबों पर खाना पड़ता था, अब कैंटीन से बहुत सुविधा हो गई है। पंजाब से आए धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि वे आलू लेकर मंडी में आए हैं। वे जब भी मंडी में आते है तो कैंटीन का खाना खाते हैं क्योंकि यह सस्ता, स्वच्छ और स्वादिष्ट है। मार्केट कमेटी के सचिव अखिलेश शर्मा ने बताया कि कैंटीन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, किचन सामान, फर्नीचर मार्केट कमेटी द्वारा उपलब्ध करवाया है। सेल्फ हेल्प ग्रुप को प्रति थाली 15 रुपये सब्सिडी दी जाती है ताकि कैंटीन सुचारू रूप से चल सके। कहा कि सरकार द्वारा इस कैंटीन की व्यवस्था से किसानों, आढ़तियों और मजदूरों को बहुत लाभ हो रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

स्वामी सोमानंद सरस्वती ने दिए संस्कारों के सूत्र

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में चल रहे वैदिक संस्कार पुण्यमास कार्यक्रम के तहत आर्य जगत के प्रसिद्ध सन्यासी स्वामी सोमानंद सरस्वती ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप सभा हरियाणा के तत्वावधान में तथा विद्यालय प्राचार्या साधना बख्शी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 26 अक्टूबर 2025

उड़ने के लिए तैयार फ्लाइंग कार

आसमान में उड़ते हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर को तो हम सबने देखा है। अब बस कुछ ही वर्षों में आस-पास की दूरियों को तय करने के लिए फ्लाइंग कारें भी उड़ती हुई दिखने लगेंगी। कई विदेशी कंपनियां इस दिशा में पूरी तरह रेडी हो चुकी हैं तो अपने देश में भी इस बारे में जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। भविष्य के नए हवाई सफर पर एक नजर।

टीकैब कंपनी चीन की ई20 एयरटैक्सी

{ कवर स्टोरी / एन. के. अरोड़ा }

उड़ने वाली कारें यानी फ्लाइंग कार या रोडेबल एयरक्राफ्ट यानी ऐसी गाड़ियां, जो सड़कों पर चल भी सकें और जरूरत पड़ने पर उड़ान भी भर सकें। अब ये केवल हॉलीवुड की फिल्मों का हिस्सा भर नहीं हैं बल्कि ये हकीकत है। हां, यह बात अलग है कि अभी इसका उपयोग लोगों ने शुरू नहीं किया है। अभी ये कारें सीमित स्तर पर प्रोटोटाइप, परीक्षण, नियामक मंजूरी और टेस्ट फ्लाइट के दौर से गुजर रही हैं। अभी सड़क पर दौड़ने और उड़ान भरने वाली ये कारें, आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के कई देशों में ये कारें जल्द से जल्द आम लोगों के घरों के गैराज में दिखने लगेंगी।

कई स्तरों पर हो रही तैयारी: साल 2025 के अंत तक दुनिया भर में कई कंपनियां ऐसी

स्काई ड्राइव, जापान की एयरटैक्सी

इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (वीटीओएल) कारों को पूरी तरह तैयार कर लेंगी, क्योंकि इन कंपनियों की फ्लाइंग कारों की प्रगति महत्वपूर्ण चरणों में है। कुछ देशों और कंपनियों ने तो अपनी कारों की सूची भी सोशल मीडिया पर जारी कर दी है। इस समय दुनिया भर के अलग-अलग देशों में करीब 250 ऐसी कंपनियां हैं, जो उड़ने वाली कारों यानी फ्लाइंग टैक्सियों या वीटीओएल परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। कई प्रोटोटाइप पहले ही हवा में उड़ान भर चुके हैं, कुछ मानव पायलट के साथ और कुछ बिना इंसानी ड्राइवर के। उदाहरण के लिए टर्की में सीजेरी का प्रोटोटाइप और जापान में स्काई डाइव का प्रोटोटाइप हवा में उड़ान भर चुका है। कई कंपनियां एयर टैक्सी शुरू करने की बिल्कुल व्यावहारिक योजनाएं बना चुकी हैं, तो कुछ देशों ने सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कहने का मतलब उड़न कारें

जॉबी एविएशन, अमेरिका की ईवीटॉल

यानी, जमीन और हवा दोनों पर चलने वाली कारें भले अभी दुनिया में आम लोगों के इस्तेमाल में आना शुरू न हुई हों, पर इनके एक साथ पूरी दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट काम कर रहे हैं कि दिन-रात इनके बारे में बातें होना स्वाभाविक है। इनके उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपति इन कारों पर भारी निवेश भी कर रहे हैं।

कई कंपनिया हैं एक्टिव: आज दुनिया के जिन देशों में प्रमुख कंपनियां ऐसी फ्लाइंग कारें बनाने में जुटी हुई हैं, उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉबी एविएशन ने एफएए से एयर करियर प्रमाणपत्र हासिल किया है और डेल्टा एयरलाइंस के साथ साझेदारी की है। इसी तरह आर्चर एविएशन ने भी यूनाइटेड एयरलाइंस से 10 मिलियन डॉलर प्राप्त किया है। इसी तरह जेस्टन वन नामक एक व्यक्तिगत उड़न वाहन भी अमेरिका में विकसित किया गया है, जिसकी कीमत 1 लाख 28 हजार डॉलर है और जिसे उड़ाने के लिए किसी पायलट लाइसेंस की जरूरत नहीं है। जबकि चीन एक्सपेंग एयरोहॉट दुनिया की पहली ऐसी कंपनी है, जिसने बिना पायलट के यात्री उड़ानों के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर ली है। इसने लैंड एयरक्राफ्ट करियर नामक मॉड्यूलर कार विकसित की है, जिसमें एक फोल्डेबल ईवीटीओएल है। टीकैब टैग कंपनी ने ई-20 नामक मानवयुक्त ईवीटीओएल विकसित की है। इसी तरह ब्राजील ने ईव एयर मोबिलिटी, जापान की स्काई ड्राइव और जर्मनी की लिलियम बोलोकॉप्टर कंपनियों ने भी अपनी-अपनी उड़न कारें विकसित कर ली हैं और इन सबकी हवा में उड़ने और जमीन में जरूरत पड़ने पर चलने वाली ये कारें परीक्षण और अपग्रेडेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। इन दिनों इसी काल्पनिक सच को हकीकत में बदलने के लिए विकसित देशों में दर्जनों उड़न कारें अपनी बुनियादी उड़ाने भर रही हैं या दूसरे शब्दों में ट्रेंड हो रही हैं।

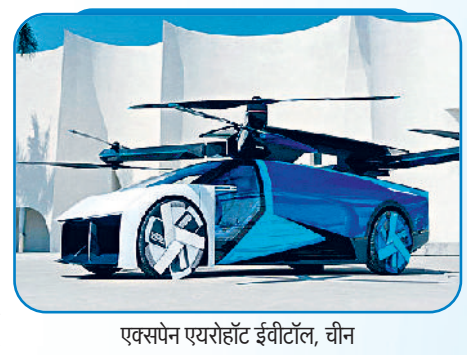

एक्सपेन एयरोहॉट ईवीटॉल, चीन

ऐसे आई सुर्खियों में: फ्लाइंग कारों की चर्चा अचानक इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले दिनों दो उड़ने वाली कारें एक फ्लाइंग शो के दौरान हवा में ही टकरा गईं और एक बड़ा हादसा हो गया। यह अलग बात है कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। दरअसल, चीन के जिलिन में बीते 16 सितंबर 2025 की दोपहर को चल रहे चांगचुन एयर शो के दौरान एक्सपेन एयरोहॉट की दो वीटीओएल आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस टक्कर से एक यात्री घायल हो गया, जिसे जानलेवा चोट नहीं लगी। लेकिन इस दुर्घटना की वजह से रातों-रात पूरी दुनिया की आटोमोबाइल इंडस्ट्री में वीटीओएल कारों के सिस्टमेटिक ढंग से प्लानिंग हो रही है। लोगों को उत्सुकता है कि एयर ट्रैफिक रेगुलेशन, पायलट ट्रेनिंग, बैटरी रिलायबिलिटी, इस तरह की सभी समस्याएं एक-एक करके हल हों ताकि उड़ने वाली कारें अब फिक्शन न रह जाएं।

बहरहाल, विशेषज्ञ कहते हैं कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सन 2030 तक दुनिया के अनेक बड़े शहरों के आसमान में हवा में उड़ान भरने वाली कारें दिखने लगेंगी। *

भारत में भी जल्द उड़ेंगी एयरटैक्सी

केवल विदेशों में ही नहीं अपने देश भारत में भी ईवीटॉल विकसित करने में कुछ कंपनियां सक्रिय हैं। डीजीसीए ने पंजाब की एक कंपनी के एयरटैक्सी मॉडल को डिजाइन अप्रूवल सर्टिफिकेट भी दे दिया है। एयरटैक्सी के टेकऑफ और लैंडिंग के लिए वर्टिपोर्ट बनाने की प्लानिंग पर भी काम किया जा रहा है। बेंगलुरु की एक कंपनी भी इस दिशा में एक्टिव है। सब कुछ प्लानिंग के अनुसार फाइनल होने पर वर्ष 2028 तक दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी का परिचालन शुरू हो सकता है। इसके बाद कोलकाता, मुंबई जैसे अन्य मेट्रो शहरों में भी एयरटैक्सी चलने की संभावना है।

{ अवेयरनेस / संध्या सिंह }

इन दिनों लगभग रोज ही साइबर फ्रॉड की अनेक घटनाएं घटित हो रही हैं। साइबर क्रिमिनल्स नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही आपका भारी आर्थिक नुकसान करा सकती है। इसलिए साइबर वर्ल्ड में हमेशा एलर्ट रहें।

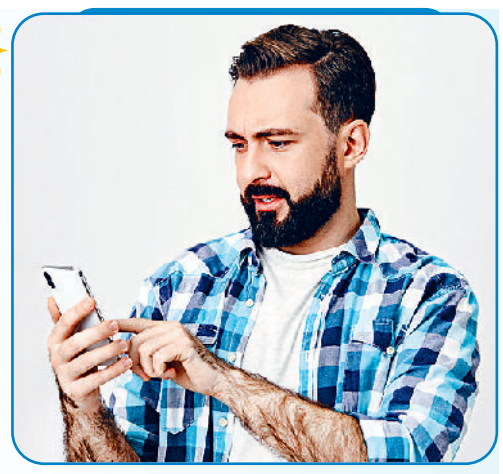

खूब हो रहा साइबर फ्रॉड

ना बरतें कोई लापरवाही

आजकल सोशल मीडिया पर साइबर तस्करी, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, डीपफेक में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी धोखाधड़ी अब आम हो गई है।

सोशल मीडिया पर फ्रॉड नेटवर्क: हाल के दिनों में लोगों को व्हाट्सएप पर नकली ई-चालान मिलना, नकली बिजली, पानी, गैस, केबल के बिल मिलने जैसी चीजें आम हो गई हैं, जिनमें व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा जाता है और उसमें यह वॉर्निंग दी जाती

है कि यदि समय पर बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। हड़बड़ी में लोग अकसर व्हाट्सएप में आए उस बिल पर क्लिक कर देते हैं और कुछ समय बाद उन्हें पता चलता है कि उनके खाते से काफी पैसे निकाल लिए गए हैं। यहां तक कि फेसबुक पर भी बहुत रोचक कहानियां बनाकर उन्हें डाल दिया जाता है और जब लोग उन्हें पढ़कर आगे की कहानी जानने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं, तो उस लिंक पर कई बार एडल्ट साइट्स से उनका सामना होता है या गलत लिंक पर क्लिक करने के कारण वे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

हो रहा भारी नुकसान: साइबर क्राइम अब एक ऐसी समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जो हमारा पैसा और मन की शांति दोनों को खत्म कर रहा है। साइबर अपराध पर 254वीं संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट ने इस बात का खुलासा किया है कि साइबर ठगी के जरिए 31,500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। इस साल साइबर अपराधी एक साथ कई मोर्चों पर सक्रिय हैं। संसदीय रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि साइबर अपराधी एक साथ कई हथकंडे आजमा रहे हैं। लोग यह समझते हैं कि इनसे बचने के उपाय, अत्यधिक कुशल हैकर्स का काम है, लेकिन इससे आम लोगों को यह समझना होगा कि उनको नेविगेट करने की क्षमता हम सबमें होनी जरूरी है।

बीते जुलाई माह में गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया गया, जहां जालसाज वीआईपी नंबर्स और पुलिस स्टेशन की पृष्ठभूमि का एआई द्वारा उपयोग करके वीडियो कॉल पर कानून अधिकारी के रूप में पेश आते थे, जो लोगों को उनके नाम पर एक पैकेट में अवैध वस्तुएं होने का हवाला देकर उन्हें गिरफ्तार कर लेने के लिए डराते थे और उन्हें यह धमकी देते थे कि यदि वह तुरंत अपनी जमानत या वैरीफिकेशन के लिए एक निश्चित राशि का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस द्वारा छापे में स्क्रीन स्क्रिप्ट और जाली आईडी मिली, इसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं, जिनका लिंक दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नेटवर्क से था, जो सीधे भारतीयों को अपना निशाना बना रहे थे।

जागरूकता है जरूरी: यह सही है कि आज के दौर में साइबर अपराध इतने जटिल हो गए हैं और लोगों को ठगी का शिकार बनाने के उनके तरीके इतने दबे छिपे होते हैं कि आम लोगों में जागरूकता का अभाव होने के कारण वे सहजता से इसका शिकार हो जाते हैं। मसलन, अगर आपको कोई पुलिस अधिकारी होने का दावा करने वाले का कॉल आता है तो उनसे यह पूछा जा सकता है कि वीडियो कॉल के जरिए भला गिरफ्तारी कैसे हो सकती है? इस तरह की समझदारी और अवेयरनेस से फ्रॉड से बच सकते हैं।

बिना डरे रहें सजग: इन जटिल साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के समाधान या तरीके इतने कठिन नहीं है, जितने हम समझते हैं। हमें हर चीज पर सवाल उठाना सीखना होगा और जीरो ट्रस्ट नीति अपनानी होगी। एक बार जब हम ऐसे मामले में जीरो ट्रस्ट नीति अपनाने लगते हैं तो साइबर सुरक्षा आसान

हो जाती है। किसी भी लिंक अटैचमेंट या मैसेज पर जाने से पहले बिना सोचे-समझे क्लिक नहीं करना चाहिए, क्योंकि साइबर जगत में हर अंजान को जांचने-परखने की नीति अपनाएं। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले सोचें, विचार करें। वेडिंग इंविटेशन या ई-चालान की पीडीएफ/जेपीईजी फाइल होनी चाहिए, न कि एपीकेएस। एपीकेएस पर क्लिक करने का ही मतलब है आप हैकर को क्लिक कर रहे हैं। किसी को भी अपना ओटीपी या यूपीआई पिन या स्क्रीन शेयर न करें। क्योंकि कानून आपको इन्हें साझा करने के लिए नहीं कह सकता। ऑड यूआरएलएस, नए हैंडल्स, मिस मैच्ड लोगो, भ्रम पैदा करने वाली ईमेल आईडी पर क्लिक न करें। अगर आपके खाते से पैसों की ठगी हो जाती है तो 1930 नंबर पर कॉल करें और अपने बैंक को तुरंत फोन करके इसके बारे में सूचित करें। कुल मिलाकर ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए बिना डरे एलर्ट रहना जरूरी है। *

{ कविता / आरती आस्था }

छोड़ना

मां छोड़ देती है
सब कुछ
अपने बच्चे के लिए।
वही बच्चा होकर बड़ा
छोड़ देता है
मां को
अपने प्रेम के लिए।
छोड़ते हैं दोनों ही
अपने-अपने प्रेम के लिए।
पर लगाना अनुमान
है लगभग असंभव
किसका छोड़ना
और किसका छूट जाना
होता है
ज्यादा पीड़ादायक।

{ व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय }

लचकलाल को भी मिले नोबेल पुरस्कार

हर साल अक्टूबर के महीने में नोबेल पुरस्कार का हल्ला रहता है। इस बार भी हल्ला रहा। लचकलाल फिर नोबेल पुरस्कार के लिए बेचैन हुए। वह नोबेल पुरस्कार चाहते हैं, भ्रष्टाचार के मामले में। उनका कहना है, इस क्षेत्र में उनसे अच्छा और श्रेष्ठ कार्य किसी ने नहीं किया है, ना ही कोई कर सकता है। इस क्षेत्र में उन्होंने जितने नवाचार किए हैं, उतने तो अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ने अपना माल बेचने के लिए विश्व शांति के क्षेत्र में भी नहीं किए होंगे।

लचकलाल का यह कहना है कि भ्रष्टाचार में गोपनीयता के मामले में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। वह कैसे-कैसे टेबल के नीचे से सेवा शुल्क लेकर जनसेवा करते रहे हैं, वो रिकॉर्ड बने हैं। लचकलाल भ्रष्टाचार में यूपीआई की भी सुविधा ले रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को ऑन लाइन कर दिया है। उनकी टेबल पर घूस ऑन लाइन भी ली जाती है-जल्द यह तख्ती भी लग सकती है। लचकलाल को लगता है, वे अपनी भ्रष्टाचार की सेवाओं से विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को उन्होंने अब शासकीय शिष्टाचार मान लिया है। इस प्रतिभा के पीछे उन्होंने ऐसी दिव्य दृष्टि पाई है कि एक बार में ही वह अच्छे से अच्छे ईमानदार अधिकारी को देखते ही समझ जाते हैं, यह अधिकारी अपनी सेवा कितने में प्रदान करेगा? इसकी सेवा का लाभ कैसे लेना है? इसकी निष्ठा का कितना दाम लगाना है? लचकलाल यह सब अपनी भ्रष्टाचारी दिव्य दृष्टि से कुछ ही दिनों में ताड़ लेते हैं कि साहब टेबल के कितने ऊपर और टेबल के नीचे कितने तक धंसे हैं? लचकलाल ने अपनी इस दिव्य दृष्टि और कला के सहारे बहुत से नवागत अधिकारियों, कर्मचारियों को भी भ्रष्टाचार के मामले में प्रशिक्षित किया है। कोई भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि, भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह भी क्यों नहीं प्रसिद्ध बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं!

कितना ही ईमानदार व्यक्ति शासकीय सेवा में 'सेवा परमोधर्मः' की भावना से आए, लेकिन उनकी दिव्य दृष्टि उसे भ्रष्टाचार की कला बहुत ही जल्दी सीखा देती है। इस कला को सीखने के बाद वह नवागत अधिकारी भ्रष्टाचार के दूध में पताशे(बताशे) की तरह घुल जाता है। लचकलाल भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने में उसी तरह से दक्ष हैं, जैसे इन दिनों मिस्टर ट्रंप विश्व शांति की चाशनी बनाने के लिए अपनी वैश्विक चम्मच हिला रहे हैं। वह बात अलग है कि चाशनी बन नहीं रही है। इस बार भी तथाकथित विश्व शांतिदूत नोबेल पुरस्कार के लिए चम्मच हिलाते ही रह गए।

खैर! मिस्टर लचकलाल अपने अभियान में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें भ्रष्टाचार की चाशनी बनाने और उसमें से जलेबी निकालने से कोई नहीं रोक सकता है। उनके पास भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टों का जनाधार है। वे अपनी इस कला से लोकतंत्र की सेवा करना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि इस कला से राष्ट्र निर्माण भी आसानी से किया जा सकता है। कम बजट में सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों और सेवाओं का कार्य पूरा हो जाता है। भ्रष्टाचार उनके लिए सरकारी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। उसके बगैर अधिकारियों को कार्य करने में मजा नहीं आता और सरकारों को सरकार चलाने में मजा नहीं आता। लचकलाल की मानें तो वह जनता और सरकार के बीच भ्रष्टाचार, पुल का काम करते हैं। भ्रष्टाचार के लाभ और विशेषताओं पर लचकलाल बड़े-बड़े लेक्चर दे सकते हैं। उनका कहना है कि पहले भी बहुत से मंत्री और जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हुए प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों तक में लेक्चर फटकार चुके हैं तो वह क्यों नहीं बौद्धिक संस्थानों में लेक्चर दे सकते हैं! उन्हें लगता है कि वह भ्रष्टाचार विषय के मामले में बुद्धिजीवी बन गए हैं। अब आखिर उन्हें क्यों नहीं इस क्षेत्र में सेवा, शोध और नवाचार के लिए नोबेल पुरस्कार मिले! *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेमानुभूति में भीगी कविताएं

प्रेम एक ऐसा विषय है, जिस पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं लेकिन कोई भी रचना इसके बारे में स्थायी या अंतिम सच साबित नहीं हो पाती। दरअसल, यह इंसानी मनोजगत में उपजने वाली भावनाओं से निर्मित ऐसी दुनिया होती है, जिसे हर इंसान अलग तरीके से अनुभूत करता है। सविता सिंह के नए कविता संग्रह 'प्रेम भी एक यातना है' की कविताएं प्रेम के ऐसे ही अनदेखे, अबूझ क्षितिज से हमारा परिचय कराती हैं। यहां उनकी व्यक्तिगत अनुभूतियां बड़ी कोमलता के साथ प्रकृति और समष्टि में समाहित हो जाती हैं। इसी बिंदु पर उनकी कविताओं के व्यापक अर्थ हमारे सामने उद्घाटित होते हैं। प्रेम के जीवन में पदार्पण का मनोहारी बिंब इन पंक्तियों में देख सकते हैं, *'पूरा-पूरा दिन संगीत सा बजता रहता है आजकल/ बेजान दोपहरें भरी रहती हैं तितलियों के रंगों से/ मधुमक्खियों के पंखों से उपजती धुनों से।'* (प्रेम) इसी तरह एक अन्य कविता 'प्रेमरत' की ये पंक्तियां शरीर के स्तर से बहुत गहन मन-आत्मा के किसी तल पर घटित हो रही अनुभूतियों को व्यक्त करती हैं, *'अभी हमारे पास कहने को क्या था/हम तो भाषा में थे ही नहीं/हमारे पास महज अव्यक्त आवाजें थीं कुछ/ शब्द दूर थे हमसे।'* कह सकते हैं, आज के अमानवीय होते जा रहे हिंसा से आक्रांत युग में ये कविताएं, हमारे भीतर कुछ बेहतर बचे रहने की उम्मीद कायम रखने का संबल देती हैं। *

पुस्तक: प्रेम भी एक यातना है (कविता संग्रह),
लेखिका: सविता सिंह, **मूल्य:** 199 रुपए,
प्रकाशक: राजकमल पेपरबैक्स, नई दिल्ली

{ लघुकथा / अलका जैन 'आराधना' }

प्रेरणा

आईआईटी में सेलेक्शन न होने से हताश रौनक, रेल की पटरियों के किनारे चला जा रहा था। एक पल के लिए उसके मन में खुद को खत्म करने का ख्याल आ रहा था। अचानक मम्मी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे, 'रेल की पटरियां रेल को गंतव्य तक पहुंचाती हैं। बेटा, इनसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए... क्योंकि वास्तव में चलना ही जिंदगी है।'

रौनक के चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह सोच रहा था कि आईआईटी में सेलेक्शन ना होना तो एक पड़ाव भर है, जीवन में और भी बहुत कुछ है करने के लिए। अब वह मुस्कुराते हुए घर वापसी का फैसला कर चुका था। घर पहुंचा तो मम्मी-पापा बेसब्री से उसका ही इंतजार कर रहे थे। दोनों ने एक-साथ उसके कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'तुम्हारा पसंदीदा मूंग की दाल का हलवा बनाया है, इसे खाओ और नई राह पर आगे बढ़ने की शुरुआत करो। जिंदगी किसी मोड़ पर खत्म नहीं होती, नई शुरुआत कहीं से भी की जा सकती है।'

रौनक अपने मम्मी-पापा के पैरों में झुक गया। उसे लग रहा था कि रेल की पटरियों ने उसे जीवन से पलायन की नहीं जीवन को गले लगाने की प्रेरणा दे दी। *

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 26 अक्टूबर 2025

आयोजन
वीना गौतम

राजस्थान में अजमेर के निकट पुष्कर में आयोजित होने वाला धार्मिक-सांस्कृतिक पुष्कर मेला, पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां की भौगोलिक विशिष्टता और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताएं इस स्थल को और भी महत्वपूर्ण बना देते हैं। आगामी 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस मेले की खासियतों पर एक नजर।

देश की धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना का संगम पुष्कर मेला

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश की आत्मा उसकी लोक-संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में बसती है। ऐसी ही लोकधर्मी परंपराओं का वाहक है पुष्कर मेला। पुष्कर मेला न केवल राजस्थान बल्कि संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। पुष्कर मेला हर साल कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होता है।

मेले से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं: पुष्कर भारत का अद्वितीय नगर है। सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा का देश में एकमात्र मंदिर यहीं स्थित है। पुष्कर की धार्मिक मान्यता यह है कि ब्रह्माजी सृष्टि की रचना करने के बाद यज्ञ करने के लिए एक पवित्रस्थल की खोज कर रहे थे, तब एक कमल पुष्प उनकी हथेली से गिर पड़ा और यह जहां गिरा, उस स्थान पर पुष्कर झील बन गई। इसलिए यह स्थल पुष्कर तीर्थ कहलाता है।

पुष्कर झील में स्नान करते श्रद्धालु

कार्तिक पूर्णिमा के दिन इस झील में स्नान करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन ब्रह्माजी स्वयं झील के जल में स्नान करने के लिए आते हैं, जो व्यक्ति इस दिन यहां स्नान करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। यही कारण है कि पुष्कर मेला के समय देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु और साधु-संत यहां पवित्र स्नान के लिए पहुंचते हैं। धार्मिक दृष्टि से यह मेला केवल स्नान या पूजा का आयोजन नहीं बल्कि धर्म, भक्ति और लोकआस्था की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर पुष्कर झील के घाटों पर होने वाले दीपदान और आरती का दृश्य भारतीय अध्यात्म का जीवंत रूप प्रस्तुत करता है।

लोकजीवन-परंपराओं का महाकुंभ: पुष्कर मेला सिर्फ भारतीय लोक-संस्कृति का ही बहुत बड़ा उत्सव नहीं है, यह पशु व्यापार का भी बहुत बड़ा मेला है। यहां समूचे भारत के ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी देखने को मिलती है। राजस्थान के विभिन्न जिलों से लेकर इस मेले में हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश तक के ग्रामीण लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा, गीत, नृत्य और हस्तशिल्प के साथ आते हैं। पुष्कर मेले में होने वाले लोकनृत्य प्रतियोगिताओं में मटकी दौड़, ऊंट सजावट, ग्रामीण खेल, लोकसंगीत, कठपुतली, नाटक और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनें, भारत की विविधता में एकता का अद्भुत संदेश देती हैं। यह मेला वास्तव में ग्रामीण भारत की सजीव आत्मा पेश करता है। यहां महिलाएं पारंपरिक लहंगे, ओढ़नी आदि में सजी दिखती हैं और पुरुष रंग-बिरंगी पगड़ियों में सजते हैं। इसी वेशभूषा में ये लोग आयोजित होने वाले लोक गीत-संगीत के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। यहां की रंग-बिरंगी भीड़ वास्तव में भारत की जीवंत संस्कृति की धड़कन है, जिसने आधुनिकता के बीच भी अपनी जड़ें मजबूती से जमा रखी हैं।

आयोजित होता है बहुत बड़ा पशु मेला

व्यापार-पर्यटन का अवसर: जैसा हम सब जानते हैं कि पुष्कर मेले में भारत का सबसे बड़ा पशु मेला भी लगता है। विशेष रूप से ऊंट और घोड़ों के व्यापार के लिए। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में पशुधन आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। इस मेले के दौरान यहां हजारों ऊंट, घोड़े और गाय, बिकने के लिए आते हैं। इस खरीद-फरोख्त के जरिए स्थानीय अर्थव्यवस्था को खूब बल मिलता है। इसके साथ ही इस मेले का पर्यटन उद्योग के लिहाज से भी बहुत महत्व होता है। पुष्कर मेले के दौरान देश-विदेश से लाखों सैलानी यहां आते हैं। विदेशी पर्यटक विशेषकर यहां भारतीय संस्कृति, योग, संगीत और अध्यात्म का जीवंत अनुभव करने आते हैं। इस मेले में स्थानीय हस्तशिल्प, कपड़े, गहने और लोककला की बिक्री से ग्रामीण कारीगरों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

राष्ट्रीय लैंडमार्क के रूप में प्रतिष्ठित: आज पुष्कर मेला केवल एक पारंपरिक आयोजन भर नहीं है। यह वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है। भारत सरकार और राजस्थान पर्यटन विभाग ने इसे ग्लोबल फेयर के रूप में विकसित किया है। सोशल मीडिया और यात्रा चैनलों के कारण पुष्कर मेले की पहचान दुनिया के कोने-कोने में पहुंच चुकी है। पुष्कर मेले के दौरान यहां योग शिविर, कल्चरल वर्कशॉप और डेजर्ट सफारी जैसे आयोजन पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। आज जब अपनी सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत बहुत करीने से प्रस्तुत कर रहा है, तब पुष्कर इस गतिविधि का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरा है। आज पुष्कर मेला अपनी लोक-आध्यात्मिक पहचान के लिए राष्ट्रीय लैंडमार्क की ख्याति हासिल कर चुका है। यह मेला दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता, लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति में भी फलती-फूलती है। *

अनोखा भौगोलिक स्थल भी है पुष्कर

पुष्कर अरावली पर्वतमाला के बीच में स्थित है। जहां रेगिस्तान का शुष्क भू-भाग और झील का शांत जल एक अद्भुत विरोधाभास रचते हैं। यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से दुनिया के विशिष्ट क्षेत्रों में गिना जाता है। क्योंकि राजस्थान में स्थित यह ऐसा क्षेत्र है, जहां जल और मरुस्थल का साझा अस्तित्व देखने को मिलता है। ऐसी विविधता का दूसरा उदाहरण दुर्लभ है। अक्टूबर और नवंबर के महीने में पुष्कर का तापमान बेहद सुहावना होता है। इस कारण इस मौसम में यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। पर्यटकों के लिए यह मौसम और पुष्कर की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति महत्वपूर्ण आकर्षण का जरिया बन जाती है। झील के चारों ओर फैले घाट, मंदिरों की कतारे और दूर तक फैले रेत के टीले, इस स्थान को एक आध्यात्मिक केंद्र बना देते हैं। यही कारण है कि आज के दौर में पुष्कर की प्रतिष्ठा एक वैश्विक, सांस्कृतिक स्थली के रूप में भी है।

दीपावली के बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देव उठनी, देवोत्थानी या प्रबोधिनी एकादशी पर्व मनाते हैं। पुराणों में इस दिन की पूजा, व्रत का बहुत महत्व बताया गया है। इसके महात्म्य के बारे में जानिए।

अत्यंत पुण्यकारी-शुभ फलदायी
प्रबोधिनी एकादशी व्रत-पूजन

पर्व-परंपरा
प्रभा पारिक

चातुर मास वर्षा काल के चार महीनों के शयन के बाद जब देव उठते हैं, उस दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि होती है। इसी शुभ अवसर से मनुष्यों को देवताओं के आह्वान का अवसर प्राप्त होता है। इसी तिथि से मांगलिक कार्यों, जैसे गृह प्रवेश, विवाह आदि आरंभ होते हैं।

धार्मिक मान्यता: प्रबोधिनी एकादशी की मंगल बेला पर भगवान विष्णु का विवाह शालीग्राम रूप में वृंदा तुलसी के साथ किया जाता है। सुबह तुलसी के चौरे, क्यारी, गमले को साफ करके गेरू, चूने से मांड़ने अथवा रंगोली बना कर सजाया जाता है। फूल, धूप, दीप, आरती की जाती है। मौसमी फलों के साथ मूली, केला, रूई, ग्वार फली, सुआली आदि अर्पण करते हैं। शाम के समय प्रतीकात्मक रूप से घरों में, मंदिरों में तुलसी का विवाह शालिग्राम जी के साथ रचाया जाता है। इस विवाह में घर में पुत्री के विवाह में दिया जाने वाला श्रृंगार और सुहाग की वस्तुएं अर्पित की जाती हैं। ठीक वैसे ही जैसे हम अपने घर-परिवार की कन्याओं के विवाह पर करते हैं। ये श्रृंगार की सामग्री किसी भी नव-विवाहिता स्त्री, पुरोहित या सुहागन को देने की प्रथा है। इस दौरान मंगल गीतों के साथ इस उत्सव का आयोजन किया जाता है। जिस घर में कन्यादान का अवसर न मिलने की स्थिति हो, वे तुलसी विवाह को आयोजित करके कन्यादान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं।

व्रत का महात्म्य: पुराणों में बताया गया है कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रबोधिनी एकादशी के व्रत का फल एक सहस्र अश्वमेघ यज्ञों और सौ राजसूय यज्ञों के बराबर माना जाता है। जिस वस्तु या पद या आकांक्षा को प्राप्त करना कठिन लगे, इस व्रत को करने से वो सहज ही प्राप्त हो जाती है। इस दिन रात्रि जागरण का विशेष महत्व है। माना जाता है कि प्रबोधिनी एकादशी के दिन किए गए व्रत, दान-पुण्य का फल, समस्त तीर्थों की यात्रा करने, गौ, स्वर्ण, भूमि आदि के दान से मिलने वाले फल के समतुल्य होता है। इस दिन व्रत और पूजन से निःसंतान को संतान की प्राप्ति होती है। यह व्रत उद्धार करने वाला और भगवान में आस्था बढ़ाने वाला माना जाता है। इस व्रत को श्रद्धापूर्वक करने से भगवान नारायण प्रसन्न होते हैं। साधक के पितरों को सद्गति की प्राप्ति होती है। पिछले हजार जन्मों में किए गए पाप भी इस एकादशी को रात्रि-जागरण करते हुए श्री नारायण जप करने से नष्ट हो जाते हैं। इस दिन व्रत के दौरान श्रद्धापूर्वक 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' का जाप करना बहुत कल्याणकारी और पुण्य फलदायी होता है।

मनाते हैं कई रूपों में: प्रबोधिनी एकादशी के पर्व को अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। यही वजह है कि विभिन्न राज्यों में इसे अलग-अलग तरह से मनाते हैं। इस दिन को पवित्र मानते हुए नर के रूप में नारायण एवं नारी के रूप में नारायणी की स्तुति करते हैं। तुलसी का महत्व, हमारे स्वास्थ्य, सुख समृद्धि, वास्तु से जोड़कर देखा जाता है। गुजरात में दीपावली के पूर्व की एकादशी से देव उठनी एकादशी तक प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर घर के द्वार पर रंगोली, तुलसी पूजा और दीपमाला सजाने की प्रथा है। यह कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीपमाला के साथ पूर्ण होती है। *

विशिष्ट पेड़ / वीना

कई तरह से उपयोगी फालसे का पेड़

फालसा का वैज्ञानिक नाम ग्रेविया एशियाटिक है। यह एक छोटा झाड़ीदार पेड़ होता है, जो गर्म और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में उगता है। फालसा को अपने देश में एक लोकप्रिय फल के रूप में जाना जाता है। इसका स्वाद खट्टा, मीठा और ताजगी भरा होता है। यह पेड़, हरे, अंडाकार, मोटे और खुरदरे पत्तों वाला होता है, इसमें छोटे सफेद या हल्के गुलाबी फूल आते हैं, जबकि छोटे गोलाकार, नीले या काले रंग के फल लगते हैं।

कई राज्यों में होती है खेती: फालसे का पेड़ देश के ज्यादातर हिस्सों में पाया जाता है। मसलन, उत्तर भारत में पंजाब, हरियाणा। मध्य भारत में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश। पश्चिमी भारत में राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वी भारत में बिहार, झारखंड, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल आदि में भी फालसे की खेती की जाती है। इस तरह देखें तो यह लगभग भारत के हर क्षेत्र में उगता है। दरअसल, यह गर्म और कम वर्षा वाले क्षेत्रों में अच्छी तरह से फलता-फूलता है। दोमट और हल्की बलुई मिट्टी में विशेष तौर पर फालसा का पेड़ तेजी से बढ़ता और विकसित होता है। अगर व्यावसायिक तौर पर इसकी खेती करें तो एक से दो मीटर की दूरी पर पौधे लगाए जाने चाहिए, समय-समय पर इसकी पुरानी टहनियों को काटते रहने से इसका विकास तेजी से होता है और पैदावार भी अच्छी होती है।

आर्थिक रूप से लाभकारी: फालसे की खेती से किसानों को कई तरह के लाभ होते हैं। फालसा के छोटे पेड़ हर साल 5 से 10 किलोग्राम तक फल देते हैं और अगर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से देखें तो 8 से 10 टन फालसे का उत्पादन हो जाता है। फालसे की खेती में लागत बहुत कम आती है। क्योंकि इसे खाद पानी की उतनी जरूरत नहीं पड़ती, जैसे दूसरे फल के पेड़ों को पड़ती है। फालसा, पेड़ लगाने के पहले या दूसरे वर्ष में ही फल देने लगता है। ताजे फलों का स्थानीय बाजार भी काफी आकर्षक है। फालसे का पेड़ सामान्यतः 10 से 15 सालों तक फल देता है।

स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: फालसे में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। जैसे- विटामिन-ए, बी-3 और सी। साथ ही इसमें पोटेशियम, कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस जैसे खनिज तत्व भी पाए जाते हैं। फालसे में एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीमाइक्रोबिअल और एंटीइंफ्लेमेट्री गुण भी होते हैं, इसलिए फालसा की अच्छी-खासी मांग आयुर्वेदिक औषधियों में भी होती है। इसके अलावा फालसे के फल की मांग जूस, शर्बत, मुरब्बा आदि बनाने में भी होती है। *

नदी गाथा
निनाद गौतम

कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है, यह हम सब जानते हैं। लेकिन इसी के साथ सच्चाई यह भी है कि बिहार की जीवनरेखा या कहें बिहार का हर्ष भी यही कोसी नदी है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

बिहार का शोक ही नहीं हर्ष भी है कोसी नदी

बिहार का शोक और हर्ष कही जाने वाली कोसी नदी का उद्गम हिमालय की पर्वत श्रेणियों में नेपाल में होता है। 720 किलोमीटर लंबी यह नदी नेपाल में 441 किलोमीटर और बिहार में करीब 288 किलोमीटर बहती है। यह बिहार में सुपौल जिले में प्रवेश करती है और मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, अररिया होते हुए कटिहार जिले में कुरसेला के पास गंगा में मिल जाती है।

इसलिए कहते हैं शोक: कोसी को बिहार का शोक इसलिए कहते हैं, क्योंकि हिमालय से आने वाली यह बहुप्रवाही नदी जब बिहार में प्रवेश करती है, तो इसका बहाव बहुत तेज होता है। जिस कारण यह बार-बार अपना मार्ग बदलती है। पिछली ढाई सदियों में कोसी नदी 120 किलोमीटर पश्चिम की ओर खिसककर अपना मार्ग बदल चुकी है। क्योंकि इस हिमालयी नदी में नेपाल में तीन सहायक नदियां अरुण, तामूर और सुनकोशी भी आ मिलते हैं, इसलिए जिस समय यह बिहार में घुसती है, तो इसका बहाव इतना तेज होता है कि लगभग हर साल यह नदी बिहार में बाढ़ लाने का कारण बनती है ही, यह हर साल अपने तटबंध तोड़कर प्रदेश के उत्तरी जिलों में हाहाकार मचा देती है। इसलिए कोसी को बिहार का शोक कहते हैं। इसके चलते हर साल बिहार को करोड़ों रुपए की आर्थिक हानि और काफी लोगों की जनहानि होती है।

इसलिए कहलाती है हर्ष: सच्चाई यह भी है कि एक तरफ जहां कोसी बिहार का शोक है, वहीं दूसरी तरफ यह बिहार की जीवनरेखा भी कही जाती है। क्योंकि गंगा की तरह ही हिमालयी क्षेत्र से निकलने वाली यह नदी हर साल बाढ़ के समय अपने साथ जो पोषक तत्वों से भरी गाद या सिल्ट लाती है, उससे उत्तर बिहार की मिट्टी बेहद उपजाऊ हो जाती है। कोसी परियोजना के तहत लाखों हेक्टेयर जमीन में सिंचाई होती है और बिहार में उत्तम दर्जे की खेती संभव होती है। यही नहीं कोसी नदी का पानी पीने और कृषि दोनो में इस्तेमाल होता है। साथ ही कोसी बिहार और नेपाल को जोड़ने वाली वह नदी है, जो सीमांचल और मिथिला के सामाजिक, सांस्कृतिक जीवन को बहुत गहरे तक प्रभावित करती है। यह नदी मिथिला और सीमांचल क्षेत्र की लोकगाथाओं और लोकगीतों का हिस्सा है। इसे मातृस्वरूपा माना जाता है और लोकगीतों और त्योहारों में कोसी का जिक्र आता है। कोसी नदी के पानी से बनने वाली विद्युत ऊर्जा से तटबंधीय सड़कें और क्षेत्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। इस तरह अगर कोसी नदी ने बार बार बाढ़ और तबाही दी है, तो वहीं इसी ने बिहार को उपजाऊ कृषि व्यवस्था, सिंचाई की सुविधा और कृषि आधारित समृद्ध जीवन भी दिया है।

बिहार में होता है तेज प्रवाह: जब तक कोसी नेपाल में बहती है यह इतनी बड़ी और भयावह वेग वाली नदी नहीं होती, जितना बिहार के सुपौल जिले में प्रवेश के बाद फूटती है। कोसी नदी में प्रवाहित जल की मात्रा 2166 क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड है, जबकि मानसून के दिनों में इसका यही प्रवाह 18000 क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड हो जाता है, इससे इसके प्रचंड वेग का अंदाजा लगाया जा सकता है। कोसी नदी का कैचमेंट एरिया लगभग 74,500 वर्ग किलोमीटर (नेपाल और भारत में मिलाकर) है। इसीलिए मानसून के मौसम में इसका जलप्रवाह देश की दो बड़ी गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के बाद सबसे ज्यादा होता है। *

बॉलीवुड / हेमंत पाल

एक समय तक ग्रामीण परिवेश और गांव की मिट्टी की सोंधी महक वाली फिल्में खूब बनती और पसंद की जाती थीं। लेकिन जैसे-जैसे व्यावसायिकता हावी होती गई और लोगों के जीवन में शहरीकरण बढ़ता गया, फिल्मी पर्दे से गांव गायब होने लगे। फिल्मों के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

फिल्मी कहानियों में अब नजर नहीं आते गांव

'मदर इंडिया' में दिखा वास्तविक ग्राम्य जीवन

ग्रामीण परिवेश पर बनी हिट फिल्म 'लगान'

हाल के वर्षों में आई हिंदी फिल्मों की बात करें तो उसमें गांव और ग्रामीण परिवेश की कहानियां बिल्कुल गायब रही हैं या न के बराबर ही नजर आई हैं। कथानकों से गांव विलुप्त होने का मतलब है, देश की 60% आबादी सिनेमा से गायब हो गई। अब जो फिल्में बनाई जा रही हैं, उनकी कहानियां 40% शहरी आबादी पर केंद्रित रहती हैं। इस सच्चाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि गांव के जीवन की कहानियों से हिंदी सिनेमा का बॉक्स ऑफिस समृद्ध नहीं हो सकता। लेकिन समानांतर सिनेमा का तो मूल आधार ही ग्रामीण पृष्ठभूमि होती है, उसे ही इन कहानियों का प्रतिबिंब कहा जाता है। 'अंकुर', 'पार', 'दो बीघा जमीन', 'सूरज का सातवां घोड़ा' और 'अंतर्नाद' जैसी फिल्में ग्रामीण भारत का प्रतिनिधित्व करने में सफल रहीं। लेकिन अब ऐसी फिल्में भी नहीं बनती हैं।

गांवों से दूर हो रही फिल्में: याद कीजिए कि पिछले कुछ सालों में ऐसी कोई नई फिल्म देखी, जिसमें गांव, वहां का जीवन और गांव वालों की पीड़ा नजर आई हो! हाल ही में एक फिल्म 'लापता लेडीज' जरूर आई, पर उसका कथानक गांव पर केंद्रित न होकर, बदल गई दो दुल्हनों का था। याद नहीं आता कि आमिर खान की 'लगान' के बाद ऐसी कोई फिल्म आई हो, जिसकी पूरी कहानी गांव पर केंद्रित रही हो। आज के दौर में जो फिल्में आ रही हैं, वो हाई-सोसायटी लाइफस्टाइल और षडयंत्रों के आस-पास घूमती कहानियां हैं। उनमें कॉरपोरेट कल्चर होता है, बिजनेस के जरिए साजिशें रची जाती हैं, कंपनियों को टेकओवर करने की चालें होती हैं।

'स्वदेश' में भी दिखी ग्रामीण परिवेश की झलक

आर्थिक कारण हैं जिम्मेदार: आज स्थिति यह है कि ज्यादातर फिल्में सौ, दो सौ और पांच सौ करोड़ के बिजनेस का लक्ष्य लेकर बनाई जाती हैं। कमाई की यही होड़ हिंदी फिल्मों से गांव के गायब होने का सबसे बड़ा कारण है। फिल्मकारों की नजर में गांव की कहानियों पर फिल्में बनाना कमाऊ विषय नहीं है। अब किसी फिल्म में गांव दिखाई भी देता है, तो किसी और संदर्भ में। मिसाल के तौर पर 'स्वदेश' जैसी फिल्म में ऐसी कोशिश की गई लेकिन यह ग्रामीण परिवेश की फिल्म नहीं थी, बल्कि स्वदेश वापसी पर आधारित थी। इस बीच पहलवानी पर 'दंगल' फिल्म आई, पर इसमें भी गांव मूल रूप में नहीं दिखा। कुछ साल पहले 'पीपली लाइव' आई थी, जो गांव की सच्चाई और समस्याओं वाली फिल्म थी। इसमें किसानों के लिए बनी योजनाओं को बाबुओं और अफसरों द्वारा हड़पने का जिक्र ज्यादा था। लेकिन बड़े तबके को यह फिल्म समझ में ही नहीं आई सो आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं रही।

ग्रामीण फिल्मों का था सुनहरा दौर: सिनेमा का एक दौर ऐसा भी आया था, जब गांव और गांव वाले ही सिनेमा की पहचान हुआ करते थे। लेकिन जैसे-जैसे सिनेमा का बाजार बढ़ा, परदे से गांव गायब होते गए। फिल्मों का इतिहास टटोला जाए, तो शुरुआती फिल्मों का कथानक गांव की पगडंडियों से होकर ही गुजरा। वी. शांताराम की 'दो बीघा जमीन', विमल रॉय की 'यादगार' और 'बंदिनी,' राज कपूर की 'आवारा', 'श्री 420' और 'बूट पॉलिश' ग्रामीण परिवेश की ऐसी फिल्में थीं, जिन्होंने देश और दुनिया को वहां की समस्याओं और उनके जीवन से रूबरू करवाया था। गांव के जीवन पर बनीं इन फिल्मों में एक अलग सी महक होती थी।

धीरे-धीरे दूर हो गई गांव की महक: सिनेमा के परदे से गांव की मिट्टी की सौंधी महक ही नहीं, लोकगीत भी गायब हो गए। यह दौर एक दो सालों में नहीं आया। 80 के दशक के बाद से ही फिल्मकारों ने धीरे-धीरे गांवों की धूलभरी पगडंडी को छोड़ दिया था। फिल्मों में खेत-खलिहान, लहलहाती फसलें, हल चलाते किसान, खेत जोतते ट्रैक्टर, गांव की चौपाल और वहां की पंचायतें गायब हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म की कुछ वेब सीरीज में गांव जरूर दिखाई दिए पर उनका फोकस अपराध और अपराधियों पर फोकस होता है। वास्तव में ग्रामीण इलाकों, गांव की कहानियों और किसानों के किरदार में निर्देशक, निर्माता और यहां तक कि दर्शकों की भी रुचि नहीं है।

अब ट्रेंड पर बनती हैं फिल्में: अब तो यह हालात हैं कि गांव का जीवन परदे से लगभग गायब ही हो गया है। अब तो एक फार्मूला हिट होते ही उस जैसी फिल्में बनने लगती हैं। आजकल यही ट्रेंड बन गया है। लेकिन किसी फिल्मकार ने 'लगान' की सफलता के बाद भी

रामगढ़ गांव की पृष्ठभूमि पर बनी 'शोले'

उसका अनुसरण नहीं किया। ब्लॉक बस्टर सफल हिंदी फिल्म 'शोले' वास्तव में रामगढ़ गांव की कहानी थी। लेकिन इस फिल्म में भी गांव वास्तविक रूप में नहीं था। जो गांव था, वो डाकू गब्बर सिंह और बदला लेने वाले ठाकुर साहब के बीच कहीं गुम हो गया था।

अब तो ग्रामीण जिंदगी और वहां के रीति-रिवाजों पर फिल्में बनाने के लिए पहचाने जाने वाले राजश्री प्रोडक्शंस भी संयुक्त परिवारों और उसकी साजिशों की कहानियों पर मल्टीस्टारर फिल्में बनाने लगा है। 'नदिया के पार', 'बालिका वधु' और 'गीत गाता चल' जैसी बेहतरीन फिल्में बनाने वाली यह फिल्म निर्माण कंपनी भी गांव से शहर पहुंच गई है। दरअसल, सारा मामला व्यावसायिकता के खेल का है। ऐसे में भला कौन पिछड़ना चाहेगा। इसीलिए फिल्मी पर्दे से गांव दूर होते जा रहे हैं। *